

हरिभूमि सिरसा-फतेहाबाद भूमि

रोहतक, रविवार, 24 दिसंबर 2023

खबर संक्षेप

टोहाना में तीन तिरंगा लाइटें चोरी
फतेहाबाद। टोहाना में चोरों ने तीन स्थानों से तिरंगा लाइटें चोरी कर ली। नगरपरिषद टोहाना के कार्यकारी अधिकारी ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। नगरपरिषद टोहाना के कार्यकारी अधिकारी संदीप सोलंकी ने कहा कि गत दिवस लाइट एजेंसी के सुपरवाइजर द्वारा इस बारे लिखित रूप से भी नगरपरिषद को सूचना दी गई कि चोरों ने शहर में तीन स्थानों चण्डीगढ़ रोड, भूना रोड व दमकौरा रोड से तिरंगा लाइटों को चोरी किया गया है।

राइस मिल से लाखों का धान चोरी, केस दर्ज फतेहाबाद। गांव जमालपुर शेखां स्थित एक राइस मिल में घुसकर चोर करीब 2 लाख का धान चोरी कर ले गए। टोहाना पुलिस को दी शिकायत में ओल्ड मॉडल टाउन टोहाना निवासी इशान कौरा ने कहा है कि जमालपुर शेखां में महावीर फूड के नाम से राइस मिल से गत राति अज्ञात चोर 1509 क्वालिटी के धान के 150 बैग चोरी कर ले गए हैं। चोरीशुदा धान की कीमत 2 लाख 10 हजार 600 रुपये बताई गई है।

सामुदायिक केन्द्र में रक्तदान कैप लगाया रतिया। चार साहिबजादों के शहीदी सप्ताह मौके बाबा रणजीत दास ट्रस्ट द्वारा जिला रेडक्रॉस सोसायटी के सहयोग से शहर के समुदायिक केन्द्र में रक्तदान कैप आयोजित किया गया। कैप की शुरुआत में सर्वप्रथम अरदास करके की गई। इस दौरान कैप में बढ़ चढ़ कर क्षेत्र के लोगों ने रक्तदान किया व 70 यूनिट ब्लड बैंक फतेहाबाद की टीम द्वारा एकत्रित किया गया।

टोहाना में अस्पताल के बाहर से बाइक चोरी फतेहाबाद। चोरों ने टोहाना में निजी अस्पताल के बाहर से एक मोटरसाइकिल चोरी कर ली। पुलिस को दी शिकायत में गांव चिल्लेवाल निवासी दिनेश कुमार ने कहा है कि गत दिवस वह अपनी मोटरसाइकिल चण्डीगढ़ रोड स्थित आरएमसी अस्पताल के बाहर खड़ी की और अस्पताल में चला गया। कुछ देर बाद जब वह वापस आया तो उसने देखा कि वहां से उसकी मोटरसाइकिल गायब थी।

कोहरे के आगोश में फतेहाबाद फसलों के लिए धुंध संजीवनी



फतेहाबाद। घने कोहरे की चपेट में सड़क।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

पश्चिमी विक्षोभ के चलते फतेहाबाद में शनिवार को मौसम ने करवट ली और अलसुबह ही पूरा जिला धुंध की आगोश में नजर आया। मौसम की इस पहली धुंध से ठंड भी बढ़ गई। सीजन का आज पहला दिन था कि धूप का असर नहीं दिखा। सुबह जब लोग अपने घरों से बाहर निकले तो देखा कि चारों तरफ घनी धुंध थी। घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी कुछ ही मीटर की रही। विजिबिलिटी कम होने के कारण वाहनों की रफ्तार पर भी ब्रेक लगी रही और वाहन सड़कों पर रंगते नजर आए। आज धुंध के कारण किसानों के चेहरे पर भी रौनक आ गई। यह धुंध गेहूं की फसल के लिए संजीवनी का काम करेगी। दोपहर तक घना कोहरा छाया रहा और लोग ठिठुरते नजर आए। आज न्यूनतम तापमान जहां 4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया वहीं अधिकतम तापमान 19 डिग्री के आसपास रहा। घने कोहरे को देखते हुए पुलिस प्रशासन द्वारा भी वाहन अट्ठा होगा। किसानों का कहना है कि इस तरह का मौसम इस समय खेती-किसानी के लिए फायदेमंद होता है।

प्रधान-उपप्रधान की लड़ाई में कूड़ा का ढेर बने शहर की मंत्री ने ली सुध

मंत्री ने कहा-सात दिन में व्यवस्था न सुधरी तो भुगतना होगा अंजाम



फतेहाबाद। शौचालय का निरीक्षण करते देवेन्द्र बबली।

फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

नगरपरिषद में प्रधान और उपप्रधान के बीच आपसी खींचतान में शहर कूड़े का ढेर बनता जा रहा है। शनिवार को शहर में आए पंचायत मंत्री देवेन्द्र बबली के मन में लोगों की यह समस्या इतनी घर कर गई कि उन्होंने खुद ही मोर्चा संभाल लिया और फील्ड में उतर गए। मंत्री ने शहरभर का दौरा किया और सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने डंपिंग साइट्स और शौचालयों में गंदगी पर अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई और जवाब तलब किए। मंत्री ने

अधिकारियों को सख्त लहजे में कहा कि शहर के सभी 11 डंपिंग प्वाइंट पर लिफ्ट वाले कूड़ेदान रखे जाएं और डंपिंग प्वाइंट की निगरानी को लेकर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। मंत्री ने नगर परिषद अधिकारियों को 7 दिन का अल्टीमेटम देकर कहा कि 7 दिनों में व्यवस्था को सुधारे, नहीं तो कार्रवाई होगी। मंत्री के दौरे की खबर मिलते ही नगरपरिषद अधिकारियों में हडकंप मच गया। पंचायत मंत्री शनिवार को फतेहाबाद में चल रहे जिला स्तरीय गीता जयंती महोत्सव में शामिल होने आए थे। समारोह के बाद



फतेहाबाद। निरीक्षण के दौरान डीएमसी को निर्देश देते पंचायत मंत्री।

अचानक पंचायत मंत्री नगरपरिषद कार्यालय पहुंचे और अधिकारियों को साथ लेकर शहरभर का भी दौरा कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। इसके बाद पंचायत मंत्री पुराने बस स्टैंड पर रेस्ट हाउस के सामने बने शौचालय पर पहुंचे। यहां बदहाल सफाई को देखकर पंचायत मंत्री नाखुश नजर आए। शौचालयों की बदतर हालत पर अधिकारियों से सवाल जवाब किए। उन्होंने आदेश दिए कि रूटीन में सभी जगह सफाई हो। महिलाओं के शौचालयों के लिए व्यवस्था करने को कहा। इस दौरान पंचायत मंत्री भट्ट रोड पर सिवाच अस्पताल के सामने डंपिंग प्वाइंट

पर रुके। यहां पर गंदगी के ढेर देखकर मंत्री ने नगरपरिषद अधिकारियों से सवाल किया कि यहां पर गंदगी कौन डालता है। एक बार तो अधिकारियों ने मंत्री को साफ झूठ बोला कि यहां पर लोग ही कूड़ा फेंक जाते हैं। मंत्री ने इस बारे सफाई ठेकेदार से भी सवाल किए। ठेकेदार ने बताया कि घरों से डोर टू डोर कचरा उठाया जा रहा है। मंत्री ने सवाल दागा कि फिर यहां पर कचरा कौन फेंक रहा है। इस पर वहां मौजूद पत्रकारों ने मंत्री को बताया कि परिषद के हाथ रेहड़ी वाले कर्मचारी ही यहां कचरा फेंक रहे हैं। इस पर मंत्री ने कहा कि डंपिंग स्टेशनों पर

सफाई का निर्देश

टोहाना। प्रदेश के विकास एवं पंचायत मंत्री देवेन्द्र सिंह बबली शनिवार सुबह टोहाना शहर में सफाई व्यवस्था का जायजा लेने पहुंचे। कैबिनेट मंत्री ने शहर में चल रहे सफाई व्यवस्था की खामियों पर अधिकारियों को लताड़ लगाई और व्यवस्था सुधारने के आदेश दिये। मंत्री ने नगरपरिषद अधिकारियों को प्रतिदिन सफाई करने के निर्देश दिये और कहा कि शहर में नगर परिषद अधिकारियों से कहा कि शहर में जगह जगह कूड़े की डंपिंग साइट ना बनाई जाए। कूड़ा इकट्ठा करने के लिए निर्धारित स्थान चिह्नित किया जाये और वही कूड़ा डंप किया जाये। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शहर में दुकानें खुलने से पहले सफाई करवा ली जाए।

लिफ्टिंग वाले कूड़ेदान रखे जाएं और सीसी कैमरे लगाए जाएं। सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा फेंकने वालों पर कार्रवाई हो।

शरारती तत्वों ने उद्घाटन पत्थर तोड़ा

■ गांव बिढ़ाईखेड़ा से लेकर राजकुमार के खेत तक रास्ते के निर्माण का उद्घाटन पत्थर स्थापित किया था

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

टोहाना विधानसभा क्षेत्र में प्रदेश के विकास एवं पंचायत मंत्री देवेन्द्र बबली द्वारा इन दिनों विकास कार्यों के उद्घाटन व शिलान्यास किए जा रहे हैं वहीं कुछ गांवों में मंत्री के नाम के लगाए गए शिलान्यास-उद्घाटन पत्थरों को कुछ शरारती तत्व तोड़ रहे हैं। ऐसे ही कई मामले अब तक सामने आ चुके हैं। ऐसा ही एक मामला आज भी सामने आया है। खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी टोहाना कार्यालय द्वारा इस बारे

पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। बीडीपीओ टोहाना हुकमचंद ने कहा है कि प्रदेश के विकास एवं पंचायत मंत्री देवेन्द्र बबली द्वारा मनरेगा स्कीम के तहत गांव बिढ़ाईखेड़ा से लेकर राजकुमार के खेत तक रास्ते के निर्माण का उद्घाटन पत्थर स्थापित किया गया था। 17 दिसम्बर की रात को अज्ञात व्यक्तियों ने मंत्री द्वारा लगाए गए इस उद्घाटन पत्थर को तोड़ दिया। इस बारे ग्रामीणों ने गांव के सरपंच को सूचना दी। सरपंच बलजीत सिंह द्वारा बीडीपीओ कार्यालय में सूचना दी गई। इस पर बीडीपीओ कार्यालय ने टोहाना पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ सार्वजनिक सम्पति को नुकसान पहुंचाने के आरोप में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोहरे ने घटाई ट्रेनों की चाल, देरी से पहुंची गाड़ियां



जाखल। सात घंटे देरी से पहुंचनी पातालकोट एक्सप्रेस।

फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जाखल

उत्तर भारत की तरफ ठंड ने दस्तक देनी शुरू कर दी है। सीजन के पहले कोहरे ने अपना असर रेल व यातयात में दिखाया शुरू कर दिया है। ऐसे में शनिवार को दिल्ली से चलकर जाखल के रास्ते छिंदवाड़ा जाने वाली 14623 पातालकोट एक्सप्रेस ट्रेन 7 घंटे की देरी से जाखल पहुंची है। इसे लेकर यात्रियों को भी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। बता दें कि इस ट्रेन का समय सुबह 7 बजकर 6 मिनट पर है, परन्तु घने कोहरे के चलते यह ट्रेन दोपहर 2 बजकर 26 मिनट पर जाखल पहुंची है। बता दें कि इसके इलावा तकरीबन सभी ट्रेन अपनी निर्धारित समय पर जाखल से निकली है। आने वाले दिनों में ठंड का कहर अधिक होने के चलते इनका लेटाना स्वाभाविक है। शनिवार को 7 घंटे देरी से

पहुंचने वाली पातालकोट एक्सप्रेस सुबह 7 बजकर 6 मिनट पर है। यह ट्रेन एक दिन पहले सरोनी से चलती है, जिसका दिल्ली पहुंचने का समय सुबह 3 बजकर 26 मिनट है। वही सुबह 4 बजकर 18 मिनट पर यह गाड़ी शकूरबस्ती पहुंचती है। इसके बाद नांगलोई, बहादुरगढ़, रोहतक, जींद, उचाना, नरवाना के बाद जाखल से बंटंडा जाती है।

आने वाले दिनों में और धीनी होगी रफ्तार
मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में ठंड का कहर अधिक होने के चलते इसका सबसे ज्यादा असर ट्रेनों पर पड़ेगा। इसके कारण यह ट्रेन अधिक लेट होंगी। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में रात और सुबह के दौरान कई जगहों पर घना से बहुत घना कोहरा जारी रहने की संभावना है।

ध्वज दिखाकर यात्रा को किया रवाना



सिरसा। बाबा हैदरशेख सेवा समिति सिरसा द्वारा चौथी 5 देवीय यात्रा गद्दीनशीन संत हेमंत बाबा के सान्निध्य में 5 देवीयों से 'योति सिरसा लाई जाएगी। जानकारी देते हुए एडवोकेट दीपन खोवर ने बताया कि यह यात्रा देशवासियों की खुशहाली व सिरसावासियों की खुशहाली के लिए लाई जा रही है। उन्होंने बताया कि 5 देवीयों से उद्योत लांना सिरसा के इतिहास में पहली बार होगा। इस यात्रा को समाजसेवी सुनीता सेतिया ने ध्वजा दिखाकर रवाना किया और बाबा जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि सभी भक्तों ने मां के जयकारे लगाकर यात्रा को रवाना किया। इस मौके पर विनोद फ्रंज एंड पार्टी ने भजनों की अमृत वर्षा की। इस मौके पर बलदेव खोवर, विनोद बंजारा, उदेश गुप्ता पूर्व पार्षद, अनिल बांगा प्रधान ऑटो मार्किट, डा. प्रवीन सेठी, दीपक अनेजा, संजय पूर्विया सहित अन्य भक्तजन उपस्थित थे।

किसान आंदोलन में शहीद हुए 750 किसानों को समर्पित किसान-मजदूर जन आक्रोश रैली

मुख्य वक्ता: **चौ. भूपेन्द्र सिंह हुड्डा** पूर्व मुख्यमंत्री, हरियाणा

24 दिसम्बर रविवार, 2023 समय: प्रातः 11 बजे

रैली स्थल: नजदीक ग्लोबल स्पेस, हुड्डा सेक्टर 19, सिरसा

निवेदक: जिला कांग्रेस कमेटी, सिरसा

रोलर कोस्टर बाजार का तोड़ हैं मल्टी एसेट फंड



बिगनेस डेस्क

इन दिनों शेयर बाजार में अच्छे दिन नहीं चल रहे दिखते हैं। किसी दिन बाजार झूम जाता है तो किसी दिन बिकवाल हाजी हो जाते हैं। शेयर बाजार की इस अस्थिरता से ज्यादातर निवेशक खुश नहीं होते हैं। हालांकि निवेशक चाहे तो इससे अपने इनवेस्टमेंट को एक तरह से शील्ड दे सकते हैं। ऐसी स्थिति से बचने का उपाय है एसेट क्लास में महत्वपूर्ण डायवर्सिफिकेशन। एसेट क्लास अपने खुद के चक्रों का पालन करते हैं, और उनके उतार-चढ़ाव की भविष्यवाणी करना कभी आसान नहीं होता है। लेकिन, मल्टी एसेट फंड के जरिए इस स्थिति से निबटने में ज्यादा आसानी होगी। हालांकि मल्टी एसेट फंड से भी सर्वोत्तम रिटर्न पाने के लिए इनवेस्टर्स को कुछ बातों को ध्यान में रखना जरूरी होता है। आज हम इन्हीं सावधानी की चर्चा कर रहे हैं।

ऐसे में क्या करें निवेशक

छोटे या रिटेल इनवेस्टर्स ऐसी स्थिति में डर जाते हैं। शेयर बाजार के जानकारी का कहना है कि ऐसे में निवेशकों को सौजन एसेट क्लास के प्लेयर के झंझरे में नहीं आना चाहिए। इसके बजाय अपने पोर्टफोलियो के लिए एक संतुलित एसेट एलोकेशन स्ट्रैटेजी का पालन करना चाहिए। यही वह जगह है जहां मल्टी एसेट म्यूचुअल फंड फिट बैठते हैं और निवेशकों के लिए सबसे अच्छा अवसर प्रदान करते हैं। यह देखते हुए कि इक्विटी बाजारों में सुधार जितना दिखता है उससे कहीं ज्यादा अच्छा हो सकता है।

सेबी का नियम क्या कहता है

बाजार के जानकारी का कहना है कि मल्टी एसेट फंड हाइब्रिड फंड हैं। सेबी के नियमों के मुताबिक, फंड हाउसों को अपने फंड का न्यूनतम 10% कम से कम तीन एसेट क्लास में निवेश करना होगा। इन तीन एसेट क्लास में घरेलू और इंटरनेशनल इक्विटी, डेट और कॉमोडिटी का मिला जुला क्लास हो सकता है। इस तरह की रणनीति के लिए सभी एसेट क्लास में निवेश की जरूरत होती है। बाजार की अस्थिरता के बावजूद इस निवेश को स्थिर रखा जाना चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान

जानकारों के मुताबिक मल्टी एसेट फंड से सर्वोत्तम रिटर्न पाने के लिए निवेशकों को इन 3 बातों को ध्यान में रखना चाहिए। इससे आपको नुकसान नहीं होगा और आप अच्छा मुनाफा बाजार के उतार-चढ़ाव के दौरान प्राप्त कर पाएंगे।

- पहला यह कि वह इस बात को सुनिश्चित करें कि फंड लेबल के अनुरूप है और एसेट आवंटन मिश्रण में बदलाव नहीं है। उदाहरण के तौर पर निष्पान इंडिया मल्टी एसेट फंड घरेलू और विदेशी इक्विटी, कॉमोडिटी और डेट में 50:20:15:15 के निवेश अनुपात को कभी नहीं बदला है।। इस तरह का अनुशासित निवेश दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि निवेशक हमेशा लाभ में रहें।
- दूसरा, ऐसा फंड चुनना चाहिए जिसका अंतरराष्ट्रीय इक्विटी में भी निवेश हो। उदाहरण के लिए निष्पान मल्टी एसेट फंड जो चार परिष्पति वर्गों में निवेश करता है और कॉर्पस का 20% हिस्सा अंतरराष्ट्रीय इक्विटी में जाता है। सुंदरम, इनवेस्टो को और एक्सिस जैसे अन्य मल्टी एसेट फंड भी वैश्विक बाजारों में निवेश करते हैं।
- तीसरा-मल्टी एसेट फंड में निवेश करने का तीसरा फायदा निवेशकों को मिलने वाला इंडेक्सेशन का लाभ है। इंडेक्सेशन आपको फंड से ज्यादा प्राप्त करने में मदद करता है क्योंकि निवेश के मूल्य की गणना महंगाई जैसे कारकों को ध्यान में रखकर की जाती है और इससे आपको अधिक लाभ मिलता है।

एक साल में क्या रहा रिटर्न

पिछले एक साल में मल्टी एसेट फंड ने अच्छा रिटर्न दिया है। निष्पान इंडिया मल्टी एसेट फंड 15.72% रिटर्न के साथ सबसे आगे है। उसके बाद 13.85% के साथ मोतीलाल ओसवाल और 13.74% के साथ एचडीएफसी मल्टी एसेट फंड है। टाटा मल्टी एसेट फंड का रिटर्न इस दौरान 12.71% रहा है। मतलब कि सभी फंड हाउस ने 12 फीसदी से ज्यादा का ही रिटर्न दिया है।

इंडेक्स फंड्स भी दे सकते हैं फायदा, ध्यान से करें निवेश

बिगनेस डेस्क

अगर आप भी इन दिनों म्यूचुअल फंड्स में निवेश करने का प्लान बना रहे हैं तो एक बार बाजार पर भी नजर डाल लें और सावधानी पूर्वक पूरी जानकारी जुटकर और अपने रिस्क को ध्यान में रखकर निवेश की ओर कदम बढ़ाएं। बाजार में आपको हर तरह के शेयर मिलेंगे, लेकिन आप ध्यान से एक बार सभी अध्ययन कर उतरेंगे तो आसानी मोटा मुनाफा कमा सकते हैं। इसलिए जब भी बाजार में उतरें, पहले अपने लक्ष्य तय करें और रिस्क को देखकर ही पैसे लगाएं। वरना आप फायदे की जगह नुकसान का भी सामना कर सकते हैं। बाजार के जानकारी की मानें तो इस समय निवेशकों के लिए इंडेक्स फंड अच्छा ऑप्शन हो सकता है। जो निवेशक म्यूचुअल फंड में निवेश करके कम से कम जोखिम के साथ अच्छा रिटर्न चाहते हैं, उनके लिए इंडेक्स फंड सबसे बढ़िया विकल्प माने जाते हैं, पिछले एक साल में इन फंडों ने 20 से 24 फीसदी तक का रिटर्न दिया है। इस क्रेडिटिरी के कई फंड्स ने बीते 1 साल में 21% से ज्यादा का रिटर्न दिया है। इसके अलावा एक्सपर्ट्स के अनुसार अगले 4 साल शेयर बाजार में सालाना 20% बढ़त देखने को मिल सकती है। ऐसे में निफ्टी 50 या सेंसेक्स 30 में भी अच्छी तेजी देखने को मिलेगी। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे इंडेक्स फंड के बारे में जो निवेशकों के लिए समय पहली पसंद साबित हो रहे हैं। इन दिनों इंडेक्स फंड में आप भी निवेश कर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं और खुद को आर्थिक रूप से समृद्ध बना सकते हैं।

इन फंड्स ने दिया बेहतर रिटर्न

फंड का नाम	1 साल	3 साल	5 साल
यूटीआई निफ्टी इंडेक्स फंड	21.86%	18.17%	13.80%
एक्सिस 50 निफ्टी नेक्स्ट 50 इंडेक्स आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल निफ्टी नेक्स्ट 50 इंडेक्स फंड	21.75%	-	-
एसबीआई निफ्टी इंडेक्स फंड	20.60%	17.70%	12.80%
आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल निफ्टी इंडेक्स फंड	17.10%	16.60%	14.80%
आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल निफ्टी इंडेक्स फंड	17.20%	16.70%	15.10%

एक्सपेंस रेश्यो रहता है कम

इंडेक्स फंड से निवेश करने का खर्च अपेक्षाकृत कम होता है। बाजार के जानकारी का कहना है कि अन्य प्रत्यक्ष रूप से प्राथित म्यूचुअल फंडों में जहां एसेट मैनेजमेंट कंपनी तकरीबन 2% तक शुल्क वसूलती हैं, वहीं इंडेक्स फंडों का शुल्क बहुत कम यानी कि तकरीबन 0.5% से 1 के बीच होता है। अस तरह से इंडेक्स फंड में एक्सपेंस रेश्यो कम रहता है जो एक तरह से निवेशक को लाभ ही देता है।

डाइवर्सिफिकेशन का मिलता है लाभ

इंडेक्स फंड से निवेशक अपना पोर्टफोलियो डाइवर्सिफाई कर सकते हैं। इससे नुकसान की संभावना घट जाती है। अगर एक कंपनी के शेयर में कमजोरी आती है तो दूसरे में बोध से नुकसान कवर हो जाता है। इसके अलावा इंडेक्स फंडों में ट्रैकिंग एरर कम होता है। इससे इंडेक्स को इमेज करने की एक्ज्यूरेसी बढ़ जाती है। इस तरह रिटर्न का सटीक अनुमान लगाना आसान हो जाता है।

कितना देना होता है टैक्स?

12 महीने से कम समय में निवेश भुनाने पर इक्विटी फंड्स से कमाई पर शार्ट टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स लगता है। यह मौजूदा नियमों के हिसाब से कमाई पर 15% तक लगाया जाता है। अगर आपका निवेश 12 महीनों से ज्यादा के लिए है तो इसे लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स माना जाएगा और इस पर 10% ब्याज देना होगा। हालांकि अगर आपका एलटीसीजी 1 लाख से कम है तो आपको इस पर कोई टैक्स नहीं देना होता है।

- बैलेंस एडवांटेज फंड रिस्क को प्रभावी ढंग से मैनेज करने में सक्षम
- ये फंड इक्विटी और डेट दोनों विकल्पों में लगाते हैं निवेशों के पैसे
- रिटर्न को अधिकतम करने का लक्ष्य रखने वालों के लिए बेहतर विकल्प
- निवेशकों के लिए कमाई का बढ़िया जरिया, निवेशकों के लिए आदर्श
- शेयर बाजार बढ़त पर कर रहे मालामाल, सावधानी से बढ़ाएं कदम
- कोई निवेश बिना जोखिम वाला नहीं होता, हर किसी के फायदे-नुकसान

कम रिस्क में भी ज्यादा रिटर्न दे सकते हैं बैलेंस एडवांटेज फंड

बिगनेस डेस्क

इस समय शेयर बाजार में झमाझम पैसा बरस रहा है। लनगभग सभी कंपनियों के शेयर अच्छा मुनाफा दे रहे हैं, निवेशक मालामाल हो रहे हैं। ऐसे में हर कोई निवेश के लिए तैयार है, लेकिन आप थोड़ी सावधानी के साथ निवेश के लिए बाजार में उतरें तो आपको अच्छा मुनाफा मिल सकता है। इस समय म्यूचुअल फंड में निवेश करना बेहतर है। ये फंड आपको कम रिस्क में बेहतर रिटर्न दे सकते हैं और आप आसानी से मालामाल हो सकते हैं। म्यूचुअल फंड इनवेस्टर्स से लेकर विदेशी निवेशक तक इस समय सभी खुश हैं। वैसे भी म्यूचुअल फंड (एमएफ) के अधिकतर इनवेस्टर्स शेयर बाजार के इकोनोमिक्स को सही सही नहीं समझते हैं। तब भी वे बाजार की तेजी में हिस्सेदार बनते हैं। दरअसल, म्यूचुअल फंड निवेश बाजार की बात करें तो निवेशकों का प्राथमिक लक्ष्य अपने निवेश पर बेहतर रिटर्न हासिल करना है। लेकिन कुछ बातों पर ध्यान रखें तो वे म्यूचुअल फंड से भी अच्छी कमाई कर सकते हैं। म्यूचुअल फंड का बैलेंस एडवांटेज फंड रिस्क को प्रभावी ढंग से मैनेज करते हुए अपने रिटर्न को अधिकतम करने का लक्ष्य रखने वालों के लिए एक बेहतर विकल्प प्रदान करते हैं। शेयर बाजार के बारे में कहा जाता है कि यहां कोई भी निवेश बिना जोखिम वाला नहीं है, हर निवेश के अपने-अपने फायदे और नुकसान हैं, लेकिन म्यूचुअल फंड का बैलेंस एडवांटेज फंड रिस्क को प्रभावी ढंग से मैनेज करते हुए अपने रिटर्न को अधिकतम करने का लक्ष्य रखने वालों के लिए एक बेहतर विकल्प प्रदान करते हैं। इससे उन्हें महत्वाकांक्षी म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए एक आदर्श विकल्प बनाता है।

बेहतर विकल्प क्या हैं

बाजार के जानकारी का कहना है कि अगर आप ऐसे निवेश की तलाश कर रहे हैं जो जोखिम समायोजित (रिस्क एडजस्टेड) बेहतर रिटर्न की संभावना प्रदान करता है, तो बैलेंस एडवांटेज फंड आपके लिए बेहतर विकल्प हो सकता है। इसके अलावा किसी और विकल्प के बारे में विचार न करें। बैलेंस एडवांटेज फंड निवेश का एक ऐसा जरिया है, जिसमें जोखिमों को प्रभावी ढंग से मैनेज (प्राथित) करते हुए बेहतर रिटर्न प्रदान करने की क्षमता होती है। पिछले कई सालों से बेखमी जा रहा है कि बैलेंस एडवांटेज फंड ने निवेशकों को कम रिस्क में बेहतर रिटर्न दिया है। इस योजना में निवेशक आराम से निवेश कर अपनी पूंजी को बढ़ा सकते हैं।

बेहतर रिटर्न के लिए डायनमिक अलोकेशन

बैलेंस एडवांटेज फंड की सबसे खास विशेषताओं में से एक उनका डायनमिक एसेट अलोकेशन है। कुशल फंड मैनेजर लगातार बाजार की स्थितियों पर अपनी नजर रखते हैं और इक्विटी व डेट के बीच फंड के आवंटन को उसी अनुसार समायोजित करते हैं। जब बाजार में तेजी होती है, तो वे इक्विटी में निवेश बढ़ाते हैं, और बाजार में गिरावट के दौरान, वे डेट इन्वेस्टमेंट के अवसरों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। यह सक्रिय प्रबंधन निवेशकों को अवसरों का लाभ उठाने और बाजार के चुनौतीपूर्ण घरणों से निपटने में मदद करता है, जिससे संभावित रूप से अधिकतम रिटर्न मिलता है।

दौलत बढ़ाने के लिए बेहतर प्रदर्शन

बैलेंस एडवांटेज फंड की पहचान लंबी अवधि में लगातार रिटर्न देने की उनकी क्षमता है। यह स्थिरता उन निवेशकों को आकर्षित कर रही है जो अपने रिटर्न में पूर्वानुमान के स्तर को बनाए रखते हुए अपनी संपत्ति में लगातार बढ़ोतरी करना चाहते हैं। फंड का स्थिर प्रदर्शन समय के साथ सर्वोत्तम रिटर्न हासिल होने की संभावना में योगदान देता है।

हायर नेट रिटर्न के लिए टैक्स दक्षता

बैलेंस एडवांटेज फंड को टैक्स बेनेफिट देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। जब वे अपनी संपत्ति का 65% से अधिक इक्विटी में आवंटित करते हैं, तो इन पर इक्विटी फंड की तरह टैक्स लगता है। इसके परिणामस्वरूप टैक्स देनदारी कम हो सकती है, विशेष रूप से लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स के लिए, जिससे निवेशकों को अपने रिटर्न का एक बड़ा हिस्सा बनाए रखने की अनुमति मिलती है।

डायवर्सिफिकेशन को आसान बनाया गया

डाइवर्सिफिकेशन हासिल करना जटिल हो सकता है, लेकिन बैलेंस एडवांटेज फंड इस प्रक्रिया को सरल बनाते हैं। इन फंडों में निवेश के जरिए आपका पोर्टफोलियो डायवर्सिफाइड हो जाता है, क्योंकि ये अलग अलग एसेट क्लास में निवेश करते हैं। इससे न सिर्फ अलग अलग एसेट क्लास (परिसंपत्ति वर्गों) का लाभ उठाकर सर्वश्रेष्ठ रिटर्न की संभावना भी बढ़ाता है।

लंबी अवधि के निवेश लक्ष्य को पूरा करने वाला विकल्प

चाहे आपका लक्ष्य सेवानिवृत्ति के लिए फंड जुटाना हो, अपने बच्चे की शिक्षा के लिए फंड जुटाना हो, या कोई अन्य दीर्घकालिक उद्देश्य पूरे करने के लिए फंड जुटाना हो, बैलेंस एडवांटेज फंड आपको उस लक्ष्य पूरा करने में मदद कर सकते हैं। उनका सक्रिय प्रबंधन और बेस्ट रिटर्न देने की क्षमता उन्हें महत्वाकांक्षी वित्तीय लक्ष्य बनाने वाले निवेशकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बनाती है।

यह है बैलेंस एडवांटेज फंड

दरअसल यह म्यूचुअल फंड का एक ऐसा उत्पाद है, जो इक्विटी और डेट दोनों का मिला जुला होता है। बाजार की स्थितियों, ब्याज दरों और व्यापक आर्थिक परिस्थितियों के आधार पर इक्विटी और डेट के बीच बैफ में बदलाव होते रहता है। यह बाजार के हालात से निवेशकों का बचाव करता है, बाजार चाहे गिरा हुआ हो या नई ऊंचाईयों पर हो, नया संतुलन हो जाने से निवेशकों के लिए ये फंड जोखिम को कम कर देते हैं। जब बाजार को प्रभावित करने वाले कारकों में तेजी से बदलाव हो रहा हो, तब एक आम निवेशक के लिए उसके हिसाब से अपने पोर्टफोलियो को समायोजित करते रह पाना मुश्किल हो जाता है। जैसे मौजूद हालात को देखें तो दुनिया साल भर से ज्यादा समय से पूर्वी यूरोप में युद्ध की स्थिति से जूझ रही है। ग्लोबल इकोनॉमी के ऊपर मंदी का खतरा है। महंगाई और उसके कारण लगातार बढ़ते ब्याज दरों का दबाव है। ऐसे माहौल में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल बैलेंस एडवांटेज जैसे फंड ने पिछले एक दशक से भी अधिक समय में इक्विटी या डेट में एंटी-एक्जिट को अच्छे से मैनेज किया है। बैलेंस एडवांटेज फंड की यह रणनीति होती है कि जब बाजार नीचे हो तो सस्ते में शेयर खरीदे जाएं और जब बाजार ऊपर हो तो उसे महंगे में बेचकर निकाल जाएं। इससे निवेशकों को महंगे बाजारों के दौरान मुनाफा कमाने में मदद मिलती है। ध्यान देने वाली बात यह है कि इन फंडों का शुद्ध इक्विटी एक्सपोजर 30 फीसदी के स्तर तक नीचे जा सकता है, लेकिन आम तौर पर इक्विटी में निवेश 65 फीसदी और उससे अधिक पर बनाए रखा जाता है।

रिटायरमेंट प्लानिंग के लिए भी म्यूचुअल फंड पर बढ़ा भरोसा

बिगनेस डेस्क

रिटायरमेंट की बात करें तो कुछ साल पहले यह भारतीयों के फाइनेंशियल प्लानिंग में प्राथमिकता नहीं थी। इसकी बजाए बहुत से लोग अपने दूसरे लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्लानिंग करते थे, लेकिन अब ट्रेड बदल रहा है। रिटायरमेंट भारतीयों के लिए अब तेज गति से वित्तीय प्राथमिकता बन रही है और ज्यादा से ज्यादा लोग अब अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग में इसे तरजीह दे रहे हैं। रिटायरमेंट को फाइनेंशियल प्लानिंग में ऊपर रखने के मामले में भारत 2023 के एक सर्वे के अनुसार दुनिया में छठे स्थान पर पहुंच गया है, जो 2020 में 8वें स्थान पर था। एक सर्वे में ये बातें सामने आई हैं। इस सर्वे के अनुसार पहले रिटायरमेंट मुख्य रूप से परिवार के दायित्वों को पूरा करने को लेकर जुड़ा था, लेकिन पिछले कुछ साल में, इसकी परिभाषा आत्म-सम्मान और खुद की पहचान की तलाश तक पहुंच गई है। यानी अब लोग रिटायरमेंट के बाद भी वर्किंग इयर की तरह बेहतर लाइफ जीना चाहते हैं। आज, भारतीय अपनी जरूरतों या इच्छाओं से समझौता किए बिना अपने फाइनेंस पर नियंत्रण चाहते हैं, जिसके लिए बेहतर रिटायरमेंट प्लानिंग बहुत जरूरी है।

इन पहलुओं पर विचार

पॉजिटिव पहलू

पॉजिटिव पहलू यह है कि धन को अप्रत्याशित/अपेक्षित जरूरतों के प्रति 'सुरक्षा जाल' के रूप में माना जाता है। इसे अपनी फेमिली के प्रति अपने कमिटेमेंट को पूरा करने के लिए 'सक्षम बनाने वाला' और सामाजिक सम्मान और गौरव चाहने वालों के लिए 'सक्षम होने का प्रतीक' माना जाता है। महामारी के बाद, यह 'स्वतंत्रता की तलाश' के नए आकार में विकसित हुआ है—यानी अपनी लाइफ स्टाइल और जरूरतों से समझौता किए बिना जिम्मेदारियों को पूरा करना। इन जरूरतों और जिम्मेदारियों में बड़ा घर बनाना, बच्चों के लिए क्वालिटी एजुकेशन से लेकर फैशन, तकनीक, साज-सज्जा विकल्पों, छुट्टियों आदि के माध्यम से लाइफ स्टाइल को बेहतर बनाना शामिल है।

निगेटिव पहलू

निगेटिव पहलू यह है कि पैसा बनाने और उसे मैनेज करने को लेकर लोगों के कमिटेमेंट और जिम्मेदारियों को पूरा करने की क्षमता पर सीधा प्रभाव पड़ता है। निगेटिव पहलू में, अगर कोई विशेषज्ञता की कमी या बढ़ते फाइनेंशियल डिजिटल वर्ल्ड को अपनाने में असमर्थता/देरी होने के कारण अपने पैसे को अच्छी तरह से मैनेज करने में असमर्थ है—तो इससे सामाजिक शर्मिंदगी, कम आत्मसम्मान और/या कमी की भावना पैदा हो सकती है।

व्यक्तिगत आय में बढ़ोतरी के साथ लोगों की

- आय में से कर्ज और देनदारियों के लिए अलोकेशन बढ़ रहा है। भारतीय अपने धन का 59 फीसदी घरेलू खर्चों के लिए और 18 फीसदी लोन चुकाने के लिए रख रहे हैं, जो 2020 के मुकाबले ज्यादा है।
- लोगों द्वारा पूंजी के निर्माण की दिशा में एक प्रयास किया जा रहा है, जहां कुल आय का 5 फीसदी रिटल डेवलपमेंट या एजुकेशन लोन के लिए अलोकेट किया जाता है।
- 48 फीसदी ने बताया कि महामारी के कारण सौच, व्यवहार और वित्तीय योजना में बदलाव आया। -भारतीय वित्तीय रूप से अधिक जागरूक, योजना बनाने वाले और अनुशासित हो गए हैं।
- अब कम आय के साथ, अधिक रिटर्न जेनरेट करने और वित्तीय रूप से सुरक्षित रहने पर अधिक ध्यान है। जैसे-जैसे आय बढ़ रही है, लोगों की प्राथमिकता अपने वर्तमान वर्किंग प्लेस में उच्च पद तक पहुंचना और पेंसिव इनकम के स्रोत विकसित करने जैसे अन्य पहलुओं को दी जा रही है।



पहचान' और 'आत्म-सम्मान' अब केवल भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को पूरा करने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि खुद की देखभाल करना और जानने तक भी बढ़ रहा है।

- महामारी के बाद, भारतीयों ने पारिवारिक सुरक्षा के अलावा, मेडिकल इमरजेसी और रिटायरमेंट योजना जैसे लंबी अवधि के लक्ष्य पर अधिक जोर देना शुरू कर दिया है।
- महामारी के बाद फाइनेंस मैनेजमेंट से संबंधित 'आय के वैकल्पिक स्रोतों की कमी' के बारे में चिंता करने वालों की संख्या साल 2020 में 8% से बढ़कर 2023 में 38% तक पहुंच गई है।
- महामारी के बाद, 'महंगाई' व 'आर्थिक मंदी' रिटायरमेंट के बाद फाइनेंस मैनेजमेंट से संबंधित चिंताओं की टॉप लिस्ट में आ गए।
- करीब 67 फीसदी भारतीयों का कहना है कि वे रिटायरमेंट के लिए तैयार हैं, जिससे उन्हें काम और जीवन के बारे में पॉजिटिव सोच मिलती है, जिनमें से 50 की उम्र में शुरू करने का इरादा रखते हैं।
- 2020 में 10% की तुलना में 2023 में 23% लोगों को सीधे इक्विटी/शेयर और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) की तुलना में म्यूचुअल फंड्स

ज्यादा आकर्षक दिख रहा है। सर्वे के अनुसार भारतीय निवेशक अभी भी फिक्स्ड इनकम विकल्पों और बीमा को प्राथमिकता देते हैं।

■ बदल रही लाइफ स्टाइल और मैक्रो-इकोनॉमिक स्थितियों के साथ, भारतीयों को लगता है कि उन्हें अपने रिटायरमेंट फंड बनाने के लिए अपनी सालाना आय का 10-12 गुना चाहिए, जो 2020 के सर्वेक्षण में 8-9 गुना था।

वित्तीय सुरक्षा को लेकर सजग

आय का वैकल्पिक स्रोत होने से रिटायरमेंट के लिए तैयारी की भावना काफी बढ़ जाती है। सर्वे में मांग लेने वाले 36 फीसदी में से जिनके पास वैकल्पिक आय के स्रोत हैं, उनमें से 42 फीसदी ऐसे हैं, जिन्हें फाइनेंशियल एसेट्स में निवेश से अतिरिक्त आय होती है। अब हर कोई अपनी वित्तीय सुरक्षा को लेकर पूरी तरह से सजग है। जिनके पास रिटायरमेंट योजना है, उनमें से सिर्फ 10 फीसदी ही रजिस्टर्ड इन्वेस्टमेंट एडवाइजर से उचित फाइनेंशियल प्लानिंग को लेकर सेवाएं चाहते हैं।

खबर संक्षेप

दुकान में सेंध लगाकर चुराया सामान
सिरसा। सिविल लाइन सिरसा पुलिस ने चत्तरगाढ़पट्टी निवासी संजय सैनी की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ चोरी व सेंधमारी का मामला दर्ज किया है।

अपनी शिकायत में संजय सैनी ने बताया कि उसने चत्तरगाढ़ पट्टी में नेजाडेला रोड पर लोहे की जोड़ी व पलंग बनाने की दुकान खोल रखी है। उसने बताया कि 22 दिसंबर की रात्रि को अज्ञात व्यक्ति उसकी दुकान के ताले तोड़कर 8 लोहे के पलंग, एक पंखा फर्शटा तथा 10 लोहे की पाईपें चुरा ले गया। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ भादसं की धारा 457, 380 के तहत मामला दर्ज किया है।

श्री श्याम मंदिर में बारस के भंडारे में उमड़े श्रद्धालु

हिसार। श्री श्याम मंदिर में आयोजित अटूट भंडारे में हिसार व आसपास के क्षेत्रों से काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने शिरकत की। श्रद्धालुओं ने श्याम बाबा के दरबार के दर्शन करके भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। श्री श्याम मंदिर सेवा समिति के संयोजक जगदीश तायल व महंत गोकुलदास ने बताया कि श्री श्याम बाबा की पूजा-अर्चना करके मन्त्रों मांगी।

श्रद्धांजलि के लिए रक्तदान शिविर आज

हिसार। सुरभि मानव कल्याण समिति के तत्वावधान में डबवाली अग्निकांड घटना के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए पटेल नगर के सामुदायिक केंद्र में 24 दिसंबर को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा मुख्यातिथि तथा मेयर गौतम सरदाना विशिष्ट अतिथि होंगे।

होली फील्ड स्कूल में गणित प्रश्नोत्तरी का आयोजन

नारनौंद। होली फील्ड मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल नारनौंद में महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जन्म दिवस राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर गणित प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें आर्यभट्ट, रामानुजन, शकुंतला और ब्रह्मगुप्ता टीमों ने भाग लिया। आर्यभट्ट टीम के समरजीत, गौरव, अतिका प्रथम स्थान पर रहे।

हकूवि में वाजपेयी जयंती पर होगी विचारगोष्ठी

हिसार। अटल विचार जागृति मंच के तत्वाधान में आगामी 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के मौके पर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वेटरनरी ऑडिटोरियम में विचार गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। मंच के अध्यक्ष राकेश बंसल ने बताया कि लुवास के वाइस चਾਂसलर डॉ. विनोद वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित होने वाली इस गोष्ठी में वरिष्ठ नेता एवं चेयरमैन सुभाष बराला बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे।

बाड़ा सुलेमान में शहीद उधम सिंह जयंती 26 को
हांसी। शहीद उधम सिंह समाज कल्याण ट्रस्ट की एक बैठक ट्रस्ट प्रधान बसवार राम कंबोज की अध्यक्षता में बाबा सागर नाथ आश्रम के प्रांगण में संपन्न हुई। बैठक में गांव बाड़ा सुलेमान में स्थित शहीद उधम सिंह चौक पर 26 दिसम्बर को शहीद उधम सिंह की 124वीं जयंती ट्रस्ट संस्थापक महंत सागर नाथ के सान्निध्य में मनाने का प्रस्ताव पास किया गया।

डीएसपी के आश्वासन पर किसानों का धरना स्थगित

हरिभूमि न्यूज़ ►► जाखल
पंचायत मंत्री देवेन्द्र बबली की पायलट गाड़ी के इंचार्ज की शिकायत पर दो किसानों के खिलाफ केस दर्ज करने के मामले में दो दिनों से जाखल थाने के बाहर धरना दे रहे किसान शनिवार को मान गए। डीएसपी द्वारा दिए गए आश्वासन के बाद शनिवार को किसानों ने धरना स्थगित कर दिया है। किसानों द्वारा स्थगित किए गए धरने में आह्वान पुलिस उप अधीक्षक के आश्वासन पर 15 जनवरी तक निष्पक्ष जांच कर मामले की पुष्टि करने का हवाला दिया गया है। शनिवार दोपहर तक जारी रहा था।

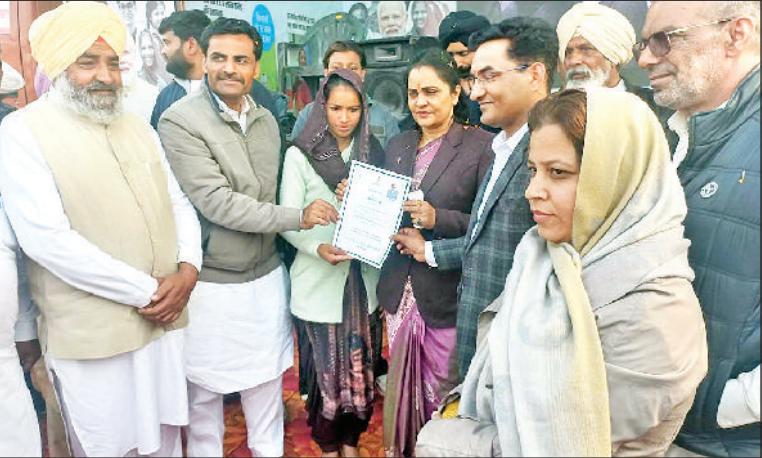
सांसद ने मल्लेवाला में संकल्प यात्रा का स्वागत किया
जरूरतमंद लोगों तक लाभ पहुंचाना यात्रा का मकसद

गांव मुज्जावाली, मोड़ी, अली मोहम्मद, चाडीवाल, मल्लेवाला, मौजूखेड़ा व बुढीमेड़ी में पहुंची विकसित भारत संकल्प यात्रा

हरिभूमि न्यूज़ ►► सिरसा

जिला में चल रही विकसित भारत संकल्प यात्रा-जनसंवाद यात्रा शनिवार को गांव मुन्नावाली, मोड़ी, अली मोहम्मद, चाडीवाल, मल्लेवाला, मौजूखेड़ा व बुढीमेड़ी यात्रा के पहुंचने पर ग्रामीणों जोरदार स्वागत किया। इस दौरान विभिन्न विभागों की ओर से स्टॉल लगाकर ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी दी व मौके पर ही योजनाओं का लाभ उठाया। विकसित भारत संकल्प यात्रा-जनसंवाद' के तहत गांव-गांव, नगर-नगर पहुंच रही 'मोदी की गांरटी वैन' को हर एक नागरिक के जीवन में सुरक्षा, समृद्धि और खुशहाली का वाहक बन रही है।

गांव मल्लेवाला में सिरसा लोकसभा क्षेत्र की सांसद सुनीता दुग्गल ने यात्रा का स्वागत किया। इसके अलावा गांव मुन्नावाली व मोड़ी में हरियाणा मार्केटिंग बोर्ड के चेयरमैन आदित्य देवीलाल, गांव अली मोहम्मद व चाडीवाल में युवा भाजपा नेता अमन चोपड़ा, गांव बुजुं कर्मगढ में पूर्व विधायक बलकौर सिंह, गांव मौजूखेड़ा व बुढीमेड़ी में निताशा राकेश सिहाग ने यात्रा का स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व



सिरसा। पात्र लोगों को आयुषमान कार्ड सौंपती सांसद सुनीता दुग्गल।

ऑन स्पॉट मिल रहा जरूरतमंद लोगों को योजनाओं का लाभ
जो लोग गांव में आवास, शौचालय, रसोई गैस सिलेंडर, नि:शुल्क राशन, किसान सम्मान निधि, आयुज्जान बीमा जैसी किसी भी योजना से अब तक किन्हीं कारणों से वंचित रह गए हैं, उन्हें वैन के पास आयोजित कार्यक्रम में मौके पर ही योजना से लाभान्वित किया जा रहा है। सांसद ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान गांवों में आ रहे रथ सामान्य नहीं हैं, बल्कि यह एक तरह से पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ दिलावे की गांरटी है। इस रथ के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व व प्रदेश में मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचाया जा रहा है। केंद्र व प्रदेश सरकार की अनेक ऐसी योजनाएँ हैं, जिनका जागरूकता के अभाव में पात्र व्यक्ति लाभ नहीं उठा पाते। यात्रा का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है।

विधायक राम चंद्र कंबोज, अमीर चंद मेहता, मंजीत धारीवाला, कृष्ण कुमार चौहान, अश्वनी, विनोद अबूबशहर, श्याम सुंदर बिश्नोई, मन्खन सिंह ख्योवाली, भूपेस मेहता, पूर्व सरपंच रविंद्र गदली, हनुमान कुंडू, प्रो. आत्मा राम मौजूद रहे। सांसद सुनीता दुग्गल ने कहा कि जिन लोगों

को योजनाओं का लाभ मिल रहा है। हर पात्र व्यक्ति को योजनाओं का लाभ पारदर्शी रूप से मिल रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण 'मोदी जी की गांरटी वैन' के पास आकर 'अपनी जुबानी अपनी कहानी' सुनाकर सरकार की योजनाओं की सराहना कर रहे हैं।

नशे के खिलाफ लोगों को करेंगे जागरूक

- अब बाइक राइडर करेंगे युवाओं को नशे के खिलाफ प्रेरित

हरिभूमि न्यूज़ ►► सिरसा

पुलिस प्रशासन ने नशे के खिलाफ एक और पहल शुरू की है। सिरसा में अबीर राइडर ग्रुप के साथ मिलकर पुलिस प्रशासन ने एक नई मुहिम छेड़ दी है। पुलिस प्रशासन के सहयोग से यह बाइक राइडर युवा गांव-गांव जाएंगे और नशे के खिलाफ लोगों को प्रेरित करेंगे। पुलिस प्रशासन और अबीर मोटर्स ए रॉयल एनफील्ड ऑथराइज्ड डीलर के राइडर अबीर ग्रुप के सदस्यों को पुलिस ने हरी झंडी दिखा कर रवाना किया है। यह राइडर सिरसा से जयपुर तक के गांव गांव में जाएंगे



सिरसा। राइडर ग्रुप को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार।

और नशे के खिलाफ लोगों को प्रेरित करेंगे। यह राइडर सिरसा से जयपुर का रास्ता तीन दिन में तय करेंगे। राइडर को झंडी दिखाने के बाद इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार ने बताया कि सिरसा पुलिस अधीक्षक विक्रान्त भूषण के नेतृत्व में नशे के खिलाफ लगातार प्रहार किया जा रहा है।

पुलिस प्रशासन युवाओं को नशे के खिलाफ व खेलकूद के लिए प्रेरित कर रही है। प्रदीप कुमार ने बताया कि पुलिस प्रशासन न केवल नशे को खत्म करने में लगा है बल्कि उन नशे की चपेट में आए गए हैं, उन युवाओं को भी मुख्य धारा में जोड़ने का प्रयास कर रही है।

नशा के खिलाफ मुहिम

अबीर मोटर्स के डायरेक्टर श्रवण कुमार ने बताया कि आज पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर हमने यह राइड शुरू की है, जोकि सिरसा के विभिन्न गांव से होते हुए जयपुर का रास्ता 3 दिन में तय करेंगे। रास्ते में विभिन्न गांवों और शहरों में युवाओं से मिलकर उन्हें नशे के खिलाफ प्रेरित करेंगे। राइडर डा. वरुण गोदारा ने बताया कि सिरसा क्षेत्र बाँडर पर होने के कारण यहां पर लगातार नशा बढ़ा है, इसको लेकर पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर हमने यह मुहिम शुरू की है। वरुण गोदारा ने कहा कि यह मुहिम केवल इस राइडिंग तक सीमित नहीं रहेगी। इसके बाद भी हम सभी राइडर मिलकर गांव और शहरों में जाकर युवाओं और नशे से बसित लोगों को नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करेंगे।



भूना। पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में साफ-सफाई करती छात्राएं।

स्वयंसेविकाओं ने कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय परिसर में साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया

भूना। पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भूना में शनिवार को राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई ने एक दिवसीय तीसरा शिविर का आयोजन किया और स्वच्छता अभियान चलाया। कार्यक्रम एनएसएस प्रभारी सुखविंद कौर की देखरेख में संपन्न हुआ। स्कूल के प्राचार्य डॉ. तेजमान ने एनएसएस वालंटियर को समाज के उत्थान के लिए कार्य करने एवं सहैव सामाजिक कुपशओं के उन्मूलन हेतु प्रेरित रहने के लिए अपने विचार रखे। शिविर में स्वयंसेविकाओं ने विद्यालय परिसर में साफ-सफाई की। एनएसएस प्रभारी सुखविंद कौर ने शिविर में छात्राओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। स्वयंसेविकाओं ने अपने आसपास के पर्यावरण को बचाने की शपथ ली और पौधरोपण कर पृथ्वी पर पर्यावरण संतुलन बनाने का भी वचन दिया। इस अवसर पर पोल्लराम, नरेश कुमार, मोनिका, पूनम, तन्वी व कीर्ति आदि थे।

बाबा फुलगिरी महाराज की बरसी के अवसर पर हवन यज्ञ आयोजित
सर्व समाज के होते हैं संत-महात्मा : सुभाष बराला

- किसान कल्याण प्राधिकरण के चेयरमैन सुभाष बराला अपने पैतृक गांव डोंगरा पहुंचे

हरिभूमि न्यूज़ ►► टोहाना

हरियाणा सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो एवं किसान कल्याण प्राधिकरण के चेयरमैन सुभाष बराला अपने पैतृक गांव डोंगरा में बाबा फुलगिरी महाराज की बरसी के अवसर पर हवन यज्ञ में आहुति डालने पहुंचे। बाबा फुलगिरी महाराज की बरसी पर गांव में हवन यज्ञ करवाया गया और जागरण कर भंडारा भी लगाया।

चेयरमैन सुभाष बराला ने कहा कि जो संत महात्मा होते हैं वे सर्व समाज के होते हैं, जिन्होंने समाज की भलाई के लिए अपना पूरा



टोहाना। गांव डोंगरा में बाबा फुलगिरी महाराज की बरसी के अवसर पर हवन यज्ञ में आहुति डालते चेयरमैन सुभाष बराला।

जीवन न्यौछावर किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार पहली सरकार है जिसने

सर्व समाज के संत महात्माओं की जयंतियां सरकारी स्तर पर मनाना शुरू किया।

युवाओं को मिलती है प्रेरणा

राज्य सरकार ने सभी संत महारत्माओं के सम्मान और उनकी याद में सरकारी स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करने के लिए अलग से एक नई संत महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रचार प्रसार योजना चलाई है। इस योजना के तहत अब तक प्रदेशभर में कई कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य सर्व समाज के महान संत महात्माओं को याद करना और उनके द्वारा समाज हित में किए गए कार्यों को समाज के सामने, विशेषकर युवा पीढ़ी के समक्ष प्रस्तुत करना है। मौके पर बाबा मंगलनाथ व डेरे की बाबा फुलगिरी कमेटी सहित पूर्व चेयरमैन सुरजीत सिंह, सरपंच प्रतिनिधि कुलदीप डोंगरा, नंबरदार बलराज, जिलेसिंह बराला, रोहतास मुंड, सतबीर फौजी, रामसिंह मुंड, सुकेश मुंड, गुरमीत डोंगरा, अनिल जांजड़ा आदि थे।

ख़बर संक्षेप

चेयरमैन ने माजरा रोड पर सुनीं लोगों की समस्याएं

फतेहाबाद। नगर परिषद के चेयरमैन राजेंद्र सिंह खिची ने आज माजरा रोड पर वार्ड में जाकर लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने गलियों का निरीक्षण किया, सफाई व्यवस्था का जायजा लिया और लोगों से उनकी समस्याएं जानीं। लोगों द्वारा इस अवसर पर ट्यूबवेल की मोटर खराब होने की समस्या बताई तो खिची ने तुरंत बिजली निगम के एसडीओ को फोन कर समस्या का समाधान करने को कहा।

मंगाला में स्कूली बच्चों को वितरित की जर्सियां

सिरसा। श्री राधे निष्काम सेवा मंच द्वारा गांव मंगाला स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में जर्सी वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सेवा प्रकल्प के मुख्य प्रेरक सुमन मित्तल ने बताया कि सर्दी के बढ़ते हुए प्रकोप को देखते हुए जरूरतमंद बच्चों को सर्दी से बचाने के लिए उनके अनुरोध पर कंपनी के निर्देशक विवेक सिंगल तथा शरद सिंह ने अपनी कंपनी की तरफ से मंच को जर्सियां उपलब्ध करवाईं। उन्होंने कंपनी के निदेशक मंडल का सेवा कार्य के लिए धन्यवाद किया।

बांके बिहारी के संग कार्यक्रम एक को

सिरसा। शहर के हुडा सेक्टर स्थित पार्क में नए साल के उपलक्ष्य में एक जनवरी 2024 की सांय 3 बजे से 5 बजे तक श्री लक्ष्मीनारायण संकीर्तन महिला मंडल की ओर से भजन कीर्तन आयोजित किया जाएगा। समाजसेविका व प्रधान सुमन वर्मा ने बताया कि इस कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि समाजसेवी मुनीष सिंगला की धर्मपत्नी रुचि सिंगला शिरकत करेंगी। इस अवसर पर वे जरूरतमंद महिलाओं को 5 सिलाई मशीनें भी भेंट करेंगी।

चार लोगों पर बैंक चेक में छेड़छाड़ का आरोप

फतेहाबाद। गांव अयाली निवासी एक व्यक्ति ने गांव के ही चार लोगों पर उसके द्वारा दिए गए बैंक चेकों में धोखाधड़ी से छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। आरोप है कि इन लोगों ने चेकों पर च्यादा अमाऊंट भरकर बैंक से बाऊंस करवाया और बाद में उसके खिलाफ अदालत में केस दायर कर दिया। इस मामले में पुलिस ने जांच के बाद चार लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

गुरुद्वारा अजीतसर साहिब हुआ गुरमति शहीदी समानगम

रतिया। चारों साहिबजादे, जगत माता गुजर कौर, चमकौर एवं सरहिंद के समूह शहीदों की लसानी शहादत को समर्पित 31वां गुरमति शहीदी समानगम गुरुद्वारा श्री अजीतसर साहिब में बहुत ही श्रद्धा एवं सत्कार के साथ संपन्न हुआ। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेट्री के कार्यकारी प्रधान तेजिन्द्र सिंह दिल्ली एवं कोषाध्यक्ष इकबाल सिंह खोखर ने बताया कि 16 दिसंबर को 16 श्री अखंड पाठ साहिब के पाठों की लड़ी शुरू की गई थी, जिनके लड़ी वार भोग डाले गए। उपप्रधान राजविंद सिंह चहल ने बताया कि धार्मिक दिनांको की शुरुआत 20 दिसंबर को शुरू हुई, जिसमें पंथ के महान कथावाचक भाई सरबजीत सिंह लुधियाना वालों ने सफर-ए-शहादत की दास्तान सुनाई।

बाबा सरसाईनाथ सेवा ट्रस्ट ने मालियों को बांटे गर्म वस्त्र

सिरसा। बाबा सरसाईनाथ सेवा ट्रस्ट की ओर से चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय में कार्यरत मालियों को गर्म वस्त्र वितरित किए गए। गर्म वस्त्रों का वितरण ऊषा मलिक के हाथों से किया गया। ऊषा मलिक ने कहा कि बाबा सरसाईनाथ सेवा ट्रस्ट समाजसेवा में बहुत अछूत कार्य कर रही है। अन्य संस्थाओं को भी इस तरह के नेक कार्यों के लिए आगे आना चाहिए। इस मौके पर संस्था के सचिव डा. सुरेंद्र हांडा, प्रवीण कपूर व डा. सुमित सेनी ने बताया कि ये संस्था चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय के कर्मचारियों व शहर के लोगों की भलाई के लिए बनाई गई है। उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा जरूरतमंदों की मदद के साथ-साथ पौधारोपण, रक्तदान शिविर व युवाओं को नशे के प्रति जागरूक किए जाने सहित समाजसेवा के अनेक कार्य किए जा रहे हैं। इस मौके पर चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय के कर्मचारी नेता व संस्था के प्रधान रविंद्र सेनी, बेटा बचाओ अभियान के संस्थापक तरुण भाटी व अरदीश शर्मा उपस्थित थे।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अख़बार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो वह निम्न टेलीफोन नम्बरों पर कार्यालय समय पर सूचित करें :-

हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार

फ़ोन : 9315429403, 9653530207, 9253681005



फतेहाबाद। एमएम कॉलेज में 'एक मिनट एक साथ-गीता पाठ' करते सदस्य।



सिरसा। शोभा यात्रा के दौरान सजाई गई झांकी तथा कार्यक्रम की प्रस्तुतियां देते विद्यार्थी।



फतेहाबाद। क्रेसेण्ट स्कूल में रंगीत जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी।

शहर में हर तरफ गूँजे पवित्र गीता के श्लोक, बच्चों ने दिया विश्व शांति का दिया संदेश

गीता में आत्म अनुशासन और संयम का संदेश

स्वामी गीता मनीषी ज्ञानानंद जी महाराज के आह्वान पर जिले भर में हुए कार्यक्रम



फतेहाबाद। शहर में एक मिनट, एक साथ-गीता पाठ करते लोग।



फोटो : हरिभूमि



लीजेंड स्कूल में में बताया गीता का महत्व

फतेहाबाद। अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव 2023 के उपलक्ष्य में लीजेंड कॉन्वेंट स्कूल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कक्षा 5वीं से 8वीं तक के विद्यार्थियों ने गीता के श्लोकों का उच्चारण किया। स्कूल के प्रिंसिपल विरेन्द्र नागपाल ने विद्यार्थियों को गीता में दिए गए उपदेशों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गीता जयंती महोत्सव का लक्ष्य जन-जन तक भगवान श्रीकृष्ण के गीता में दिए गए उपदेश को पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि करीब 5160 वर्ष पूर्व भगवान श्री कृष्ण द्वारा अर्जुन को निमित्त बनाकर दिया गया संदेश केवल अर्जुन के लिए नहीं, अपितु पूरी मानवता के लिए उपयोगी है। गीता केवल ज्ञान ही नहीं अपितु एक विज्ञान और हर समस्या का समाधान है। उन्होंने कहा कि विश्व में शांति के लिए गीता के उपदेश को जीवन में स्वीकार करना होगा। उन्होंने कहा कि गीता निश्चित रूप से विद्यार्थियों और कामकाजी दोनों के लिए प्रासंगिक है। प्रत्येक युवा को अपने गुणों को सुधारने, बहुत सारा समय बचाने, आंतरिक आत्म से जुड़ने और एक खुश और आनंदमय जीवन जीने में मदद करती है।

गीता के अध्ययन को जीवन में उतारें:

सिरसा। अंतर्राष्ट्रीय वैश्विक गीता पाठ के अंतर्गत राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नाथूसरी कलां से गीता पाठ का लाइव आयोजन हुआ, जिसमें ब्लॉक नाथूसरी चौपटा के सभी अध्यक्ष व छात्राओं सहित लगभग 2100 विद्यार्थी लाइव गीता पाठ में शामिल हुए। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर खंड शिक्षा अधिकारी रामचंद्र गोदारा ने सभी को शुभकामनाएं दी और कहा कि गीता के अध्ययन को अपने जीवन में उतार कर अपने जीवन को सफल बनाएं। खंड के नोडल अधिकारी सतवीर सिंह प्रवक्ता संस्कृत नाथूसरी कलां द्वारा अष्टादश श्लोकी गीता पाठ किया गया। प्राचार्य सतवीर सिंह दिदरिया ने अपने संदेश में कहा कि गीता का प्रत्येक श्लोक बहुत महत्वपूर्ण है, जो हमें जीवन के विभिन्न स्तरों को समझने का अवसर प्रदान करती है।

क्रेसेण्ट स्कूल में मनाई गीता जयंती

फतेहाबाद। क्रेसेण्ट स्कूल में विशेष प्रार्थना सभा में विद्यार्थियों द्वारा गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के वैश्विक आह्वान पर 'हम एक बने, हम नेक बने' उदाहरण के साथ एक मिनट, एक साथ-गीता पाठ किया गया। गीता जयंती के अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा 'मैं राधा का गुमान हूँ, मैं मीरा का मान हूँ' गीत पर धर्म और अधर्म को प्रदर्शित करते हुए एक सुंदर नृत्य नाटिका की प्रस्तुति दी गई। भारत के अन्नदाता और जीवन के आधार किसानों को सम्मानित करने और उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करने के लिए राष्ट्रीय किसान दिवस मनाया गया। भारत के मेहनतकाश किसानों को समर्पित इस आयोजन में छात्र जश्वन, पारस और सरगुण के मंच संचालन में अंश, प्रीत, ऐश्वर्या और अनुज ने अपने सुविचार रखे।



सभी समस्याओं का समाधान

सिरसा। हजारों साल पहले भारत की धरती पर श्री कृष्ण भगवान ने गीता के रूप में उपदेश दिया था, उसे आज पूरी दुनिया मानती है। गीता सुख, शांति, समृद्धि व विकास का मूल मंत्र है। गीता हमारे जीवन का सार और सभी समस्याओं का समाधान है। यह बात आदती एसोसिएशन सिरसा के प्रधान मनोहर मेहता ने जनता भवन सिरसा में गीता पाठ के दौरान उपस्थित पदाधिकारियों से कही। गीता जयंती के उपलक्ष्य में आज आदती एसोसिएशन सिरसा की ओर से जनता भवन में प्रधान मनोहर मेहता की अध्यक्षता में एक मिनट गीता पाठ का आयोजन किया गया था। गीता पाठ में प्रधान मनोहर मेहता के साथ एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष कुणाल जैन, सह सचिव महावीर शर्मा, उपप्रधान सुशील कर्खा, सुशील रहेजा, जनता भवन के मैनेजर राम अवतार, अशोक कामरा, जगदीश मेहता, कपिल धव्या, कृष्ण गौयल, राजपाल, योगेश्वर शर्मा, दिपेश, एसोसिएशन के मैनेजर नरेंद्र सेठी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।



ज्ञान जन-जन तक पहुंचाना जा रहा

सिरसा। संस्थान सुनीता दुग्गल ने कहा कि गीता ज्ञान का भंडार है और हर व्यक्ति को गीता का ज्ञान प्राप्त करना चाहिए। गीता का ज्ञान जन-जन तक पहुंचाने के लिए सरकार द्वारा राय व जिला स्तर पर गीता जयंती महोत्सव मनाया जा रहा है। जीवन में कामयाबी के लिए मानव को निस्वार्थ भाव से कार्य करना चाहिए। निस्वार्थ भाव से कार्य करने से ही मनुष्य को आर्थिक संतुष्टि मिलती है। उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार निरंतर आमजन को भारतीय संस्कृति से जोड़ने के लिए प्रयासरत है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल के प्रयासों से प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव जिला स्तर पर मनाया जाता है। जिला स्तरीय गीता जयंती महोत्सव के अंतिम दिन स्थानीय चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय के मल्टीपर्पज हॉल में सांसद सुनीता दुग्गल ने बतौर मुख्यअतिथि शिरकत की। मुख्यअतिथि ने रिबन काट का विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का उद्घाटन किया तथा दीप प्रज्ज्वलित कर जिला स्तरीय गीता जयंती महोत्सव का शुभारंभ किया।

राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ खंड का त्रिवार्षिक चुनाव 26 को

हरिभूमि न्यूज>>>टोहाना

अनाज मंडी स्थित सरकारी स्कूल में राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक जिला प्रधान सुरेंद्र नेन की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ टोहाना खंड के त्रिवार्षिक चुनाव का शैड्यूल जारी किया गया। संघ प्रवक्ता योगेन्द्र वर्मा ने उपस्थित सदस्यों को बताया कि वर्तमान प्राथमिक शिक्षक संघ की कार्यकारिणी गठित हुए तीन वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। संघ के संविधान अनुसार तीन वर्ष के बाद चुनाव के माध्यम से नई कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। संघ के जिला सचिव

विनोद मुंड ने उपस्थित सभी शिक्षकों से विचार-विमर्श कर टोहाना खंड के चुनाव 26 दिसम्बर, भूना खंड के चुनाव 28 दिसंबर, जाखल खंड के 30 दिसंबर को आयोजित करने का निर्णय लिया। रतिया, फतेहाबाद, व भट्ट खंड के चुनाव शीतकालीन अवकाश के बाद करवाए जाने पर सहमति हुई। टोहाना में चुनाव 26 दिसम्बर मंगलवार को स्कूल टाइम के बाद 3.45 बजे नेहरू मार्केट स्थित पार्क स्कूल में करवाए जाएंगे। टोहाना खंड की चुनाव प्रक्रिया में राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ के राज्य चेयरमैन देवेन्द्र दहिया, जिला कोषाध्यक्ष भजन कंबोज मौजूद रहे।

चांदनी दशमी पर बाबा रामदेव का किया गया अलौकिक श्रृंगार

फतेहाबाद। मार्गशीर्ष माह की चांदनी दशमी के उपलक्ष्य में श्री बाबा रामदेव सेवा समिति की ओर से संचालित शक्ति नगर स्थित प्राचीन बाबा रामदेव मंदिर रामदेवराम में बाबा रामदेव महाराज का अलौकिक श्रृंगार किया गया। बाबा रामदेव महाराज को समिति प्रधान रमेश जोड़या ने समिति सदस्यों के साथ श्रद्धालु नमन मोंगा व आर्यन ग्रीवर द्वारा श्रद्धा भाव से बनाया गया मुकुट व मोतियों की माला पहनाई और बाबा रामदेव महाराज की विधि विधान से पूजा अर्चना कर बाबा रामदेव महाराज की पावन व सांची जोत प्रश्रुलित की गई। जोत प्रश्रुलित होते ही श्रद्धालुओं ने जोत के दर्शन कर मंथा टेका।

दो गांवों के बुजुर्ग तीर्थयात्रा कर वापस लौटे

■ अबतक नौ गांवों के बुजुर्गों को पांच तीर्थ स्थलों के दर्शन करवा चुके हैं भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज>>>फतेहाबाद

फतेहाबाद भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं वर्तमान कैथल जिला प्रभारी वेद फुलां का मेरे बुजुर्ग-मेरे इष्ट देवता अभियान लोगों के दिलों में घर करता जा रहा है। धन्या भगत सेवा ट्रस्ट के बैनर तले आयोजित की जा रही तीर्थ यात्राओं का चौथा जत्था बीते दिन राजस्थान में पांच तीर्थ यात्राओं के दर्शन करके वापिस लौटा। इस बार गांव दाबीकलां और बोदीवाली के बुजुर्ग ग्रामीण जैसे ही तीर्थ यात्रा समाप्त कर वापिस गांव लौटे तो गांव



फतेहाबाद। गांव बोदीवाली में तीर्थ यात्रा से वापिस लौटे तीर्थयात्रियों का स्वागत करते ग्रामीण।

बोदीवाली में तीर्थयात्रियों का स्वागत किया गया। इस तीर्थयात्रा का नेतृत्व कर रहे पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष वेद फुलां भी इस मौके पर तीर्थयात्रियों के साथ थे और इस भावपूर्ण स्वागत से वो भावुक भी

चाहिए। इसलिए धन्या भगत सेवा ट्रस्ट के माध्यम से भट्ट ब्लाक के गांवों से हर बार कम से कम दो बसों में बुजुर्ग तीर्थयात्रियों को रूपेचा धाम, डाली बाई मंदिर, तेजा मंदिर, नागौर की विश्वप्रसिद्ध गोशाला एवं सालासर-दो जांटी धाम के दर्शन के लिए लेकर जा रहे हैं। फुलां ने कहा कि वो प्रत्येक गांव में जाएंगे और हर गांव से बुजुर्गों की तीर्थयात्रा करवाकर लाएंगे, ऐसा संकल्प उन्होंने किया हुआ है। वेद फुलां ने बताया कि ये चौथा जत्था था जो तीर्थयात्रा पर गया। इसे लेकर लोगों में भी उत्साह काफी अधिक है और इसको देखते हुए प्रयास रहेगा कि अब और अधिक बसों को लेकर गांव जाए ताकि अधिकाधिक बुजुर्गों के तीर्थ करवाई जा सके।

डबवाली अग्निकांड श्रद्धांजलि समारोह, 442 पुण्य आत्माओं को किया याद

अग्निकांड स्थल स्मारक को राजकीय स्मारक का दर्जा दिया जाएगा

हरिभूमि न्यूज>>>डबवाली

23 दिसंबर 1995 को घटित हुए डबवाली अग्निकांड की पुण्यतिथि पर बिछड़ी आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए स्मारक स्थल पर शनिवार को श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर धार्मिक पाठ आयोजित किए गए। घटना के समय 1:40 मिनट पर 2 मिनट का मौन रखकर उपस्थित ने बिछड़ी आत्माओं को याद किया। इलाके के सैकड़ों लोगों के साथ-साथ उड़ीसा के पूर्व रायपाल के गणेशी लाल सिरसा की सांसद सुनीता दुग्गल, विधायक अमित



सिरसा। अग्निकांड स्मारक स्थल पर मोहन श्रद्धांजलि देते हुए जनप्रतिनिधि व स्कूली बच्चे तथा रक्तदान शिविर में रक्तदान करते युवा।

सिहाग, जिला परिषद अध्यक्ष करण चौटाला, पूर्व विधायक सीता राम, एसपी सुमेश सिंह, एसडीएम अभय सिंह, आदित्य देवीलाल, देव कुमार शर्मा, सर्वजीत सिंह मसीतां,

कुलदीप गदराना, संदीप चौधरी,मनीष सिंगला,एसएमओएम के भादू, नरेंद्र बराड़, व टेकचंद छाबड़ा आदि ने स्मारक स्थल पर पुष्प अर्पित कर बिछड़ी 442 पुण्य



आत्माओं को अपनी ओर से श्रद्धा समुन अर्पित किए। अग्निकांड पण्डित संघ की ओर से रमेश सचदेवा ने इस मौके पर कहा कि बड़े ही दुख की बात है कि घटना के

नहीं हुई। उन्होंने कहा कि स्मारक के विकास के लिए भी जो काम होने चाहिए थे वह नहीं हुए। स्मारक स्थल के रास्ते को लेकर भी उन्होंने कहा कि इसे चौड़ा किए जाने की जरूरत है। प्रोफेसर गणेश जी लाल ने रायसभा सांसद रामचंद्र जांफरा की ओर से अग्निकांड स्मारक के लिए 5 लाख रूपए व अपनी ओर से 1 लाख रूपए देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री से बात कर शीघ्र ही डबवाली के अग्निकांड स्थल स्मारक को राजकीय स्मारक का दर्जा दिया जाएगा। इस मौके पर 527 लोगों ने रक्तदान किया।

क्रिसमस स्पेशल



ईसा मसीह का जन्मदिन सदियों से क्रिसमस पर्व के रूप में मनाया जाता है। इस पर्व की सबसे बड़ी विशेषता है कि लगभग सभी धर्मों के लोग दुनिया भर में इसे उल्लास से मनाते हैं। इस पर्व में निहित प्रेम और भाईचारे का संदेश ही वास्तव में सभी को एक-दूसरे से जोड़ता है, विश्व बंधुत्व की भावना के लिए प्रेरित भी करता है।

प्रेम-उल्लास का वैश्विक पर्व क्रिसमस

अरबों लोग

मनाते हैं यह पर्व

अगर आंकड़ों के हिसाब से देखें तो दुनिया में करीब 2.20 अरब क्रिश्चियन हैं। वे सब तो भरपूर उल्लास के साथ क्रिसमस को सेलिब्रेट करते ही हैं, साथ ही करीब 50 करोड़ दूसरे धर्म के मानने वाले लोग भी इस पर्व को मनाते हैं। इस तरह दुनिया में क्रिसमस अकेला ऐसा पर्व है, जिसे करीब पौने तीन अरब से अधिक लोग मनाते हैं। दूसरे नंबर पर ईद का पर्व है, जिसे दुनिया भर के करीब 2 अरब लोग मनाते हैं।

शुरुआत के संदर्भ में मान्यता

क्रिसमस ईसाईयों का सबसे बड़ा और सबसे महत्वपूर्ण त्योहार है। माना जाता है कि 25 दिसंबर को ही बैतलहम में मैरी और जोसेफ के घर जीसस क्राइस्ट का जन्म हुआ था। सन् 221 में एक ईसाई यात्री सेक्सटस जूलियस अफ्रीकनस ने



पहली बार 25 दिसंबर यानी जीसस के जन्मदिन को क्रिसमस के रूप में मनाया था। तभी से धीरे-धीरे ईसाई धर्म के अनुयायियों के बीच जीसस के जन्मदिन को क्रिसमस पर्व के रूप में मनाया जाना शुरू हुआ। सेक्सटस जूलियस अफ्रीकनस नामक इस ईसाई यात्री ने दूसरी सदी के अंत और तीसरी सदी की शुरुआत तक का इतिहास भी लिखा है।

होता है उमंग-उल्लास का माहौल

कई यूरोपीय देशों में 25 दिसंबर यानी क्रिसमस के दिन प्रभु यीशु से संबंधित वैसे ही झांकियां निकलती हैं, जैसे अपने देश में रामलीला के अवसर पर या गुरुपर्व पर झांकियां निकलती हैं। क्रिसमस एक ऐसा धार्मिक उत्सव है, जिसका आनंद सभी धर्मों के लोग लेते हैं, क्योंकि क्रिसमस को लेकर कट्टर धार्मिक आग्रह नहीं है। इसलिए यह त्योहार गैर ईसाई लोग भी पूरे मन से मनाते हैं। इस दिन लोग शाम के समय गिरिजाघर जाते हैं और मोमबत्ती जलाकर प्रार्थना करते हैं। बच्चों को खासतौर पर क्रिसमस का इंतजार इसलिए भी रहता है, क्योंकि 24 दिसंबर की रात में सांता क्लाज की वेशभूषा में उनका कोई अपना या अज्ञान व्यक्ति आकर उन्हें चॉकलेट और दूसरे गिफ्ट्स देता है। इस दिन लोग 'क्रिसमस कैरोल' नामक एक खास तरह का गीत गाते हैं। इस मौके पर कई लोग एरोकेरिया नामक पौधे को छोटे-छोटे रंगीन गेंदों, बल्ब और खिलौनों से सजाते हैं, जिसे क्रिसमस ट्री कहा जाता है।

प्रेम-भाईचारे का देता है संदेश

वैसे तो यह पर्व प्रभु ईसा मसीह के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। लेकिन यीशु ने अपने अवतारी जीवन में प्रेम और करुणा के जिन उच्च मानवीय मूल्यों की महत्ता को स्थापित किया, वो उस काल में ही नहीं आज के दौर और हर युग में प्रासंगिक हैं। आज जब हर ओर हिंसा, दुख और तनाव का माहौल है, ऐसे में हम प्रभु यीशु के संदेशों को अपने जीवन में अगर अपना लें, तो ही वैश्विक शांति स्थापित हो सकती है और तभी क्रिसमस पर्व मनाने की सार्थकता होगी। *

जमकर की जाती है खरीदारी

जिस तरह से भारत में दीपावली का त्योहार खरीदारी का बहुत बड़ा मौका होता है, उसी तरह अमेरिका और यूरोप के देशों में सबसे ज्यादा शॉपिंग क्रिसमस के मौके पर होती है। बिग डे शॉपिंग जैसे कॉन्सेप्ट वास्तव में क्रिसमस पर होने वाली शॉपिंग की वजह से ही पॉपुलर हुए हैं। माना जाता है कि विश्व के उपभोक्ता बाजार को गति देने में और उसे महत्वपूर्ण बनाने में क्रिसमस शॉपिंग का बहुत बड़ा योगदान है। अनुमान के मुताबिक समूची दुनिया में क्रिसमस के मौके पर इतनी शॉपिंग होती है, जितनी समूचे अफ्रीकी देशों का वार्षिक बजट भी नहीं होता। इसलिए ना सिर्फ लोगों की खुशियों से बल्कि कारोबार की खुशियों से भी क्रिसमस का बहुत गहरा नाता है, इसलिए यह आधुनिक उपभोक्तावादी संस्कृति का सबसे पसंदीदा पर्व भी है।

कवर स्टोरी / धीरज बसाक

हर वर्ष 25 दिसंबर को दुनिया के हर कोने में क्रिसमस का पर्व मनाया जाता है। क्रिसमस का यह पर्व यूं तो ईसाई धर्म के प्रवर्तक ईसा मसीह के जन्मदिन की खुशी के रूप में ईसाई धर्म के अनुयायियों के द्वारा मनाया जाता है, लेकिन बहुत से गैर ईसाई लोग भी प्रेम और भाईचारे को बढ़ावा देने वाले इस पर्व को खुशी-उल्लास से मनाते हैं। अपने देश भारत में भी बड़े पैमाने पर सभी धर्मों के लोग क्रिसमस मनाने लगे हैं।

वर्ल्ड रिकॉर्ड / शिखर चंद जैन

क्रिसमस पर लाखों लाइट्स से जगमगाता है यह अमेरिकी घर



अगर किसी गांव का कोई घर अपनी जगमगाहट के कारण गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हो जाए तो अचरज होना स्वाभाविक ही है। यही नहीं इस अनूठे प्रकाशमान घर के कारण एक छोटा-सा अमेरिकी गांव क्रिसमस के अवसर पर चर्चित पर्यटन स्थल बन जाता है। इस गांव की आबादी तो लगभग 4,600 लोगों की है, लेकिन क्रिसमस के दौरान, इस अनोखे घर को देखने यहां 60,000 से अधिक पर्यटक आ जाते हैं।

जी हां, हम बात कर रहे हैं न्यूयॉर्क (अमेरिका) के ग्रामीण इलाके डचेज काउंटी के नियनवाले गांव में रहने वाले दंपति टिमोथी और ग्रेस गे के घर की। नियनवाले गांव के अंधेरे माहौल में उनका यह अनूठा घर दूर से किसी प्रकाश स्तंभ की तरह चमकता हुआ दिखता है।

आपको यह जानकर हैरानी होगी कि क्रिसमस के मौके पर टिमोथी-ग्रेस गे के इस घर में 7,20,420 बल्ब जलते हैं। ये बल्ब

तालाब के आस-पास मौजूद पेड़ों और झाड़ियों की भी मिनी बल्बों की झालर से सजा दिया।

बना दिया वर्ल्ड रिकॉर्ड

हर साल घर सजाने के क्रम में वर्ष 2011 में टिमोथी-ग्रेस गे को पता चला कि ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले एक दंपति भी अपने घर को लाइटों से सजाते हैं और उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज है। उस दंपति से टिमोथी और ग्रेस गे सिर्फ कुछ बल्ब कम लगाते थे। यह जानकारी मिलते ही टिमोथी और ग्रेस गे ने वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम करने की ठान ली। इस तरह अगले ही साल वर्ष 2012 में उन्होंने यह वर्ल्ड रिकॉर्ड हासिल कर लिया। 2013 में वे पिछड़ गए थे, लेकिन उसके बाद 2014 से अब तक उनका ही नाम गिनीज बुक में दर्ज है। अपने इस अनूठे शौक के कारण इस दंपति की ख्याति राष्ट्रीय

ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच गई है। टिमोथी-ग्रेस गे के साथ-साथ उनका गांव भी दुनिया भर में चर्चित हो गया है। *

गरीब



रेलगाड़ी चल पड़ी थी। सभी यात्री कुछ ना कुछ करने लगे। कोई लेट गया, कोई मोबाइल देखने लगा तो कुछ आपसी गपशप में मशगूल हो गए। तभी दो युवक चना, गजक, रूई आदि बेचने के लिए आए। कुछ लोग उनसे मोल-भाव कर रहे थे, 'दो रुपए कम कर दो, पांच रुपए कम कर दो।' इस चक्कर में एक बूढ़ी महिला ने अपना सौ का नोट नीचे गिरा दिया। सामान बेचने वाले युवक रुपया उठाकर बूढ़ी महिला को देते

हुए बोले, 'अम्मा, अपना पैसा संभाल कर रखो।' बूढ़ी महिला सहित बाकी लोग दोनों युवकों की ईमानदारी देखकर हतप्रभ थे। युवक अपना सामान बेचने के साथ रेलगाड़ी की सीट के नीचे अपनी पैनी नजर भी गड़ाए हुए थे। रेलगाड़ी जब एक स्टेशन पर रुकी तो दोनों युवकों ने सीट के नीचे पड़ा कचरा फटाफट एक थैले में भर लिया। 'ओह, कितने गरीब हैं दोनों।' बेचारे कचरा जाकर बेचेंगे। इससे चार पैसों की ओर कमाई हो जाएगी।' एक यात्री ने दूसरे यात्री से कहा। तभी यात्रियों ने देखा, वे दोनों युवक रेलगाड़ी के डिब्बे से बाहर कूड़ेदान में डाल दिया। गाड़ी में बैठे खिड़की से देख रहे यात्रियों का चेहरा फक रह गया। वे सोच रहे थे, 'ये गरीब युवक तो बेहद समझदार निकले। नासमझ तो हम हैं, जो रेलगाड़ी के डिब्बे में गंदगी फैलाए हुए थे।' *

-हरिशचंद्र पांडे

लघुकथाएं

आज क्रिसमस था। स्कूल में काफी चहल-पहल थी। तरह-तरह की प्रतियोगिताएं हो रही थीं। फैंसी ड्रेस कॉम्पिटिशन में छोटे-छोटे बच्चे सांता क्लाज बनकर रेड कार्पेट पर आते और अपनी झोली से टॉफियां निकालकर दर्शकदीर्घा में बैठे बच्चों की ओर उछाल देते। बच्चे टॉफियां कैच करके गप्प से मुह में रख लेते। सभी बच्चों के चेहरे खुशी से खिले थे। लेकिन इन बच्चों के बीच बैठी नन्ही नीतू के चेहरे पर उदासी थी। स्कूल प्रिंसिपल की नजरों से वह बची नहीं। कुछ देर बाद ही बच्चों के बीच में एक बड़ा सांता क्लाज आया। वह सीधा नीतू के पास गया और बोला, 'हैलो नीतू, अपना गिफ्ट लो।' अपने सामने सांता क्लाज को देखकर नीतू के चेहरे पर मुस्कान आ गई। लेकिन अगले ही पल नीतू के चेहरे की मुस्कान गायब हो गई। गिफ्ट लेने के लिए उसने बढ़ाए अपने हाथ पीछे

गिफ्ट



दुखी हो गए। उन्होंने तुरंत जब से अपना पर्स निकाला और नीतू को पांच-पांच सौ के चार नोट पकड़ा कर बोले, 'ये लो नीतू तुम्हारा नया गिफ्ट। अब जाकर मां के लिए दवाइयां खरीद लेना। हमारी प्रभु से प्रार्थना है, तुम्हारी मां जल्दी ठीक हो जाएं।' नीतू की आंखें खुशी से चमक उठीं। वह स्कूल गेट की ओर भागी ताकि सांता क्लाज से मिले रुपयों से अपनी मां के लिए दवाएं खरीद सके। वहां बैठे लोग यह दृश्य देखते ही रह गए। *

-भूपसिंह 'भारती'

अमेजिंग

वर्ल्ड हाइएस्ट वूडेन चर्च

क्रिसमस के पर्व पर चर्च को बहुत शानदार तरीके से सजाया जाता है। इस अवसर पर प्रभु यीशु के जन्मोत्सव की खुशी में चर्च में बड़ी संख्या में लोग जुटकर प्रेरण करते हैं, कैरोल्स गाते हैं और एक-दूसरे को क्रिसमस विश करते हैं।

वैसे तो दुनिया भर में ईसाई धर्म के लोगों के लिए बड़ी संख्या में चर्च मौजूद हैं। लेकिन उनमें से कुछ चर्च अपनी विशिष्ट संरचना के कारण दुनिया भर में चर्चित हैं। इनमें से ही एक वर्ल्ड हाइएस्ट वूडेन चर्च भी है। यह चर्च रोमानिया देश के मारामुरेस काउंटी में सापांता गांव के पास सापांता पेरी मोनेस्ट्री में स्थित है। इस चर्च का नाम दुनिया के सबसे ऊंचे वूडेन चर्च के तौर पर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है।

इस चर्च की ऊंचाई 78 मीटर यानी करीब 256 फीट है। चर्च की इमारत इतनी ऊंची है कि इसे पांच किलोमीटर की दूरी से देख सकते हैं। चर्च का निर्माण मारामुरेस शैली में हुआ है। चर्च के निर्माण में ऑक वुड (बलुल की लकड़ी) का इस्तेमाल हुआ है। ऑक वुड सबसे मजबूत मानी जाती है और लंबे समय तक टिकी रहती है। सापना पेरी मोनेस्ट्री में बना यह चर्च, वर्तमान में रोमानिया देश में ईसाई धर्मावलंबियों के सबसे लोकप्रिय स्थानों में शामिल है। *

प्रस्तुति : देवेंद्र पांडे



फेस्टिवल स्टोरी

योगेश कुमार गोयल

क्रिसमस वाले दिन बच्चों को सांता क्लाज का खासतौर से इंतजार रहता है। इस दिन वे बच्चों के लिए ढेर सारे उपहार और तरह-तरह के खिलौने लेकर आते हैं। सांता क्लाज की वास्तविकता से जुड़ी कई कहानियां प्रचलित हैं।



दयावान-बच्चों के प्यारे सांता क्लाज

क्रिसमस का नाम सुनते ही बच्चों के मन में सफेद-लंबी दाढ़ी वाले लाल-सफेद रंग की ड्रेस और सिर पर फुनगी वाली टोपी पहने पीठ पर खिलौनों उपहारों का झोला लादे बूढ़े बाबा 'सांता क्लाज' की तस्वीर उभर आती है। बच्चे प्यार से सांता क्लाज को 'क्रिसमस फादर' भी कहते हैं। सांता क्लाज प्रति ना केवल ईसाई समुदाय के बच्चों का बल्कि दुनिया भर में अन्य समुदायों के बच्चों का आकर्षण भी पिछले कुछ समय में काफी बढ़ा है। इसका एक कारण यही है कि विभिन्न शहरों में 25 दिसंबर के दिन सांता क्लाज बने व्यक्ति विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर खड़े हर समुदाय के बच्चों को बड़े प्यार से उपहार बांटे देखे जा सकते हैं।

कौन है सांता क्लाज

सांता के बारे में ढेरों कहानियां पढ़-सुनकर अधिकांश बच्चों के दिमाग में यह सवाल जरूर उमड़ता है कि उन्हें उपहार देने और इतना प्यार करने वाला यह सांता क्लाज आखिर है कौन, यह कहाँ से आता है और बच्चों को उपहार क्यों देकर जाता है? बच्चों का दिल रखने के लिए कुछ माता-पिता उन्हें कह देते हैं कि वह एक देवदूत है, जो क्रिसमस की रात अपने 8 रैंडियर वाले स्लेज पर बैठकर स्वर्ग से आता है और बच्चों को उपहार बांटकर स्वर्ग वापस चला जाता है। जबकि कुछ बच्चों के पैरेंट्स यह कहकर उनकी जिज्ञासा शांत करते हैं कि सांता क्लाज, बहुत दूर स्थित एक बर्फीले देश से आता है। वास्तव में सांता क्लाज, चौथी शताब्दी में मायरा के निकट एक शहर (जो अब तुर्किए के नाम से जाना जाता है) में जन्मे संत निकोलस का ही रूप है।

संत निकोलस बने सांता क्लाज

प्राचीन कथा के अनुसार, संत निकोलस के पिता एक बहुत बड़े व्यापारी थे, जिन्होंने निकोलस को अच्छे संस्कार देते हुए दूसरों के प्रति सदा दयाभाव रखने और जरूरतमंदों की सहायता करने को प्रेरित किया। निकोलस पर इन सब बातों का इतना असर हुआ कि वह हर

समय जरूरतमंदों की सहायता करने को तत्पर रहते। बच्चों से तो उन्हें खास लगाव था।

प्रचलित हैं कई कहानियां : सांता क्लाज के बारे में कई अन्य कथाएं भी प्रचलित हैं। कहा जाता है कि एक बार निकोलस को मायरा के एक ऐसे व्यक्ति के बारे में जानकारी मिली, जो बहुत धनवान था लेकिन कुछ समय पहले व्यापार में भारी घाटा हो जाने से वह कंगाल हो चुका था। उस व्यक्ति की चार बेटियां थीं लेकिन उनके विवाह के लिए उसके पास कुछ नहीं बचा था। यहां तक कि उसके परिवार के लिए तो खाने के भी लाले पड़ गए थे। जब उससे अपने परिवार की इतनी बुरी हालत नहीं देखी गई और लड़कियां विवाह योग्य हो गईं तो उसने फैसला किया कि वह इनमें से एक लड़की को बेच देगा और उससे मिले पैसे से अपने

परिवार का पालन-पोषण करेगा तथा बाकी बेटियों का विवाह करेगा। अगले दिन अपनी एक बेटी को बेचने का विचार करके वह रात को सो गया लेकिन उसी रात संत निकोलस उसके घर पहुंचे और चुपके से खिड़की में से सोने के सिक्कों से भरा एक थैला घर में डालकर चले गए। सुबह जब उस व्यक्ति ने सोने के सिक्कों से भरा थैला पड़ा देखा तो वह बहुत आश्चर्यचकित हुआ। उसने ईश्वर का धन्यवाद करते हुए थैला अपने पास रख लिया और एक-एक कर धूमधाम से अपनी चारों बेटियों की शादी की। बाद में उसे पता चला कि वह थैला संत निकोलस ही उसके घर छोड़ गए थे। *

जुराब टांगने से जुड़ी कहानी

क्रिसमस के दिन कई बच्चे रात के समय अपने-अपने घरों के बाहर अपनी जुराबें टांग देते हैं। इसके पीछे मान्यता यह है कि सांता क्लाज रात के समय आकर उनकी जुराबों में उनके मलापसंद उपहार भर जायेंगे। इस बारे में भी एक कथा प्रचलित है। कहा जाता है कि एक बार सांता क्लाज ने देखा कि कुछ गरीब परिवारों के बच्चे आग पर सेंक कर अपनी जुराबें सुखा रहे हैं। जब बच्चे सो गए तो सांता क्लाज ने उनकी जुराबों में सोने की मोहरें भर दी और चुपचाप वहां से चले गए।



साल 2023 बीतने वाला है। इस बीत रहे वर्ष में राष्ट्रीय स्तर पर बहुत कुछ ऐसा घटित हुआ जो अमृतपूर्व था। कई ऐतिहासिक उपलब्धियां भी हमने हासिल कीं। विभिन्न क्षेत्रों में हासिल की गई उपलब्धियों और सफलताओं पर एक विहंगम दृष्टि।

उपलब्धियों के लिहाज से कैसा रहा साल 2023

{ पलेश बैक लोकमित्र गौतम }

चंद दिनों में ही साल 2023 इतिहास का हिस्सा बन जाएगा और इसी के ओझल होते कदमों से उम्मीदों से भरे साल 2024 की शुरुआत होगी।

जब एक पूरा साल गुजरता है तो हम मुड़कर गुजरे हुए साल को जरूर एक बार देखते हैं। ठहर कर सोचने और समझने की कोशिश करते हैं कि यह साल कितना महत्वपूर्ण था या कि इसे हम और कैसे अपने लिए बेहतर बना सकते थे?

जनवरी: साल 2023 की शुरुआत में यानी जनवरी माह में सर्वोच्च न्यायालय की 5 जजों की एक संविधान पीठ ने भारत सरकार के विरुद्ध नोटबंदी के फैसले को चुनौती देने वाली एक दो नहीं पूरी 58 याचिकाओं को एक साथ खारिज कर दिया। जनवरी में कर्नाटक के देवनहल्ली शहर में केंद्रीय जासूसी प्रशिक्षण संस्थान ने कार्य करना शुरू किया। जनवरी 2023 में ही भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने 'इलेक्ट्रॉनिक सुप्रीम कोर्ट रिपोर्ट' परियोजना की घोषणा की, जिसका उद्देश्य आम वकीलों से लेकर कानून के छात्रों और आम जनता तक को सर्वोच्च न्यायालय के फैसले तक पहुंचने की सुविधा प्रदान करना है।

साल के पहले महीने की अन्य कई महत्वपूर्ण घटनाओं में कैप्टन शिवा चौहान, सियाचिन ग्लेशियर में ऑपरेशनल उद्देश्य से तैनात होने वाली पहली महिला सैन्य अधिकारी बनीं। जनवरी 2023 में पूरे प्रांत में डिजिटल बैंकिंग सुविधा मुहैया कराने वाला केरल देश का पहला राज्य बन गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी से बांग्लादेश

होते हुए असम के डिब्रूगढ़ तक 3,200 किलोमीटर की दूरी तय करने वाले दुनिया के सबसे लंबे रिवर क्रूज एमवी गंगा विलास को वाराणसी में हरी झंडी दिखाई। इसी जनवरी माह में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सीमा सड़क संगठन द्वारा अरुणाचल प्रदेश की



रिवर क्रूज एमवी गंगा विलास



सियाचिन ग्लेशियर पर कैप्टन शिवा चौहान



वेद वन पार्क, नोएडा, उत्तर प्रदेश



वातानुकूलित डबल डेकर इलेक्ट्रिक बस, मुंबई

सिओम नदी पर बनाए गए पुल का उद्घाटन किया। **फरवरी:** इस साल फरवरी में पहली बार 20 फरवरी 2023 को लद्दाख के पैंगोंग त्सो झील में प्रोजेन लेक मैराथन आयोजित की गई। इसे गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड में सबसे ऊंची प्रोजेन लेक का दर्जा मिला। इसी महीने मुंबई में पहली बार एक वातानुकूलित डबल डेकर इलेक्ट्रिक बस की शुरुआत हुई और इसी महीने पहली बार केरल के त्रिशूर स्थित इरिजादपल्ली श्री कृष्णा मंदिर में रमन नामक एक रोबोटिक हाथी को पेश किया गया, यह 11 फीट ऊंचा और 800 किग्रा. का है। इस साल फरवरी में ही केरल देश का पहला ऐसा राज्य बना, जहां सीवेज की सफाई के लिए

रोबोटिक स्क्वेंजर 'बैडीक्यूट' को लांच किया। **मार्च:** मार्च 2023 में सुरेखा यादव एशिया महाद्वीप की पहली महिला लोकोमोटिव पायलट बनीं। सुरेखा यादव ने 13 मार्च को वंदे भारत एक्सप्रेस को सोलापुर से सीएसएमटी तक पटरी पर दौड़ाया।

इसके साथ ही वह वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को चलाने वाली पहली महिला लोको पायलट भी बन गईं। मार्च के आखिर में राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान करनाल ने घोषणा की कि उसने पहली बार गाय की देसी नस्ल गीर का क्लोन बछड़ा पैदा किया।

अप्रैल: चुनाव आयोग ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पहली बार 'वोट फ्रॉम होम' की शुरुआत की, इसके तहत ऐसे व्यक्ति जो वोट डालने मतदान केंद्र तक नहीं जा सकते, उनके घर में वोट डालने की व्यवस्था की जाएगी।

मई: मई 2023 में भारत और बांग्लादेश के बीच व्यापार को बढ़ावा देने के लिए मेघालय के जयंतियां हिल्स में दावकी भूमि बंदराह का उद्घाटन किया गया। इसी महीने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने लर्निंग मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम 'सक्षम' को लांच किया, जिसका उद्देश्य भारत में स्वास्थ्य पेशेवरों को



अंडराप्रड्ड ट्रॉसफार्म सेंटर, बेंगलुरु

उच्चस्तरीय चिकित्सा प्रशिक्षण प्रदान करना है। **जून:** जून माह में दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में उत्तर भारत का पहला 'स्किन बैंक' खोला गया, जहां मृत व्यक्तियों की त्वचा दान की जाती है। जून 2023 में भारत 1.45 लाख किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ अमेरिका के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा राजमार्ग नेटवर्क वाला देश बन गया। **जुलाई:** केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने जुलाई माह में घोषणा की कि 1 जनवरी 2025 के बाद से सभी ट्रकों के केबिन अनिवार्य रूप से वातानुकूलित प्रणाली वाले होंगे। उत्तर प्रदेश के नोएडा में देश का पहला 'वेद वन पार्क' नामक वैदिक थीम वाला पार्क खोला गया, जहां 50,000 से ज्यादा औषधीय पौधे लगाए गए हैं। पार्क को वैदिककाल के साथ ऋषि मुनियों के नाम पर बांटा गया है।

अगस्त: 23 अगस्त 2023 को भारतीय समयानुसार शाम 6 बजकर 4 मिनट पर चंद्रयान-3 की चांद की सतह पर सफल लैंडिंग हो गई। 25 अगस्त 2023 को कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने दिल्ली में न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए टेली-लॉ और न्यायबंधु एप को एकीकृत करने वाला टेली-लॉ-2.0 लांच किया।

सितंबर: अमेजन इंडिया ने श्रीनगर की डल झील पर देश का पहला तैरता हुआ 'आई हैव स्पेस' स्टोर लांच किया। सितंबर 2023 में सांची भारत का पहला सोलर सिटी बन गया। सितंबर में ही बेंगलुरु में देश का पहला अंडरग्राउंड ट्रॉसफार्म सेंटर स्थापित किया गया। त्रिपुरा सरकार ने ग्रामीण इलाकों में महिलाओं के लिए अलग से पिंक शौचालय निर्मित करने की घोषणा की।

अक्टूबर: 2 अक्टूबर 2023 को बिहार सरकार द्वारा जाति आधारित सर्वेक्षण को सार्वजनिक किया गया। यूनेस्को विश्व धरोहर में शामिल तमिलनाडु के ममललापुरम में स्थित तट मंदिर भारत का पहला हरित ऊर्जा पुरातत्व स्थल बन गया। **नवंबर:** नवंबर माह में विराट कोहली ने एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक बनाने के सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। इसी माह यूनेस्को द्वारा केरल के कोझीकोड को साहित्य का शहर और मध्य प्रदेश के ग्वालियर को संगीत का शहर घोषित किया।

दिसंबर:दिसंबर 2023 में अरुणाचल प्रदेश में दुनिया की सबसे ऊंची माउंटेन बाइक रेस शुरू की गई। दिसंबर में फोर्ब्स बिजनेस पत्रिका ने 2023 में दुनिया की 100 सबसे ताकतवर महिलाओं की लिस्ट जारी की, जिसमें चार भारतीय महिलाएं भी शामिल हैं। इसी महीने यूनेस्को ने गुजरात के गरबा नृत्य को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की मान्यता दी। वर्ष 2023 के इसी आखिरी महीने में युवा चेस प्लेयर वैशाली रमेश बाबू भारत की 84वीं ग्रैंडमास्टर बन गईं। *

थी। लेकिन इसका अस्तित्व अब गंगा नदी के कुछ इलाकों में ही बचा है। एक सरकारी आंकड़े के मुताबिक वर्तमान में इसकी आबादी करीब 2,000 रह गई है।

आबादी घटने के कारण : एक समय था जब गंगा नदी में लाखों की तादाद में डॉल्फिन हुआ करती थीं, लेकिन जैसे-जैसे गंगा में जल प्रदूषण बढ़ा, बांध बनें और तस्करी ने अपने कारोबारी फायदे के लिए इनका शिकार करना शुरू किया, तो तेजी से इनकी संख्या घटने लगी। साल 2009 में गंगा डॉल्फिन के खत्म होने से चिंतित होकर भारत सरकार ने इसे राष्ट्रीय जल जीव घोषित किया और इसके बाद से ही इसकी संख्या में थोड़ी वृद्धि हुई है। इस समय गंगा में उत्तर प्रदेश के नरोरा और बिहार के पटना साहिब, भागलपुर के सुल्तानगंज इलाकों में ही गांगेय डॉल्फिन बची हुई है।

बचाव के उपाय:वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) और उत्तर प्रदेश वन विभाग डॉल्फिन की आबादी पर नजर रख रहे हैं। विशेषकर उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले के गढ़ गंगा क्षेत्र में डॉल्फिन के जीवन और प्रजनन पर नजर रखी जा रही है। गंगा डॉल्फिन के बचाव के लिए इसी वर्ष उत्तर प्रदेश में 'मेरी गंगा-मेरी डॉल्फिन 2023' अभियान की शुरुआत की गई। इनकी सुरक्षा के लिए मुजफ्फरपुर बैराज से लेकर नरोरा बैराज तक फैली गंगा नदी के किनारे डॉल्फिन की सुरक्षा और संरक्षण के विशेष उपाय भी किए गए हैं। हालांकि इससे पहले भी भारत सरकार ने 1972 के भारतीय वन्यजीव संरक्षण कानून के दायरे में गंगा डॉल्फिन को शामिल किया था। जब गंगा की सफाई के लिए मिशन क्लीन गंगा बनाया गया तो भी इसमें डॉल्फिन को ध्यान रखा गया और इनकी वृद्धि के लिए योजना बनाई गई। *

...ताकि विलुप्त ना हो जाए गंगा डॉल्फिन



जलीय जीवों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इसलिए इसको गंगा नदी के स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण संकेतक माना जाता है। **कई नदियों में था इनका निवास :** एक जमाने में गांगेय डॉल्फिन गंगा, यमुना, चंबल, घाघरा, राप्ती और गेरुआ जैसी नदियों में बहुतायत में पाई जाती थी। गंगा और उसकी सहायक नदियों की तरह ही यह ब्रह्मपुत्र-मेघना और संगु-कर्णफुली नदियों में भी पाई जाती थी। यही नहीं यह भारत, बांग्लादेश और नेपाल की तरह भारत से होकर पाकिस्तान में बहने वाली सिंधु नदी में भी बड़ी संख्या में मौजूद



शाहरुख खान को यों ही किंग खान नहीं कहा जाता, बढ़ती उम्र में भी उनका जलवा बरकरार है। इन दिनों वह अपनी नई फिल्म 'डंकी' को लेकर खूब चर्चा में हैं। अपनी फैमिली और फैस को अपनी ताकत मानने वाले शाहरुख की बातें, उन्हीं की जुबानी।

मैं मुंबई बहुत बड़े सपने लेकर नहीं आया था : शाहरुख खान

{ अपनी जुबानी / आरती सक्सेना }

शाहरुख खान का करियर टैक बहुत ही शानदार रहा है। लेकिन ऐसा भी नहीं है कि उन्होंने अपनी जिंदगी और करियर में उतार- चढ़ाव नहीं देखे। आर्यन के गिरफ्तारी ने उन्हें तोड़कर रख दिया था। उनकी फिल्मों को भी बीच-बीच में असफलता मिली। लेकिन शाहरुख ने इन विपरीत स्थितियों का सामना किया और जल्द ही उभर कर कामयाबी की डगर पर आ गए। करियर की नई ऊंचाइयां छुई। इस साल 2023 में उनकी सबसे पहले 'पठान' रिलीज हुई। इसके बाद 'टाइगर-3' और 'जवान' आईं। 'पठान' और 'जवान' दोनों फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई की। किंग खान के नाम का डंका बजा। अब शाहरुख की इस साल की आखिरी फिल्म 'डंकी' भी रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था। फिल्म की ओपनिंग बहुत शानदार रही है। शाहरुख को विश्वास है, यह फिल्म भी बड़ी सफलता हासिल करेगी। उधर शाहरुख की बेटी सुहाना खान की भी जोया अख्तर



फिल्म 'डंकी' में तापसी पन्नू, विक्की कौशल के साथ शाहरुख

की फिल्म 'द आर्चीज' से फिल्म करियर की शुरुआत हो चुकी है। अपनी बेटी सुहाना का भविष्य वह कैसा देखते हैं? बीता साल 2023 उनके लिए कैसा रहा? आने वाले नए साल 2024 को लेकर उनका क्या कहना है? करियर और पर्सनल लाइफ से जुड़ी बहुत-सी बातें शाहरुख खान ने एक मुलाकात में खुलकर की। पेश है ये बातें, उन्हीं की जुबानी- **मेरी हालिया रिलीज फिल्म 'डंकी':** फिल्म 'पठान', 'टाइगर-3' और 'जवान' के बाद इस साल की मेरी चौथी फिल्म



मेरा परिवार ही है मेरी ताकत : शाहरुख खान

'डंकी' रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म के डायरेक्टर राजू हिरानी हैं, वह एक ब्रिलिएंट डायरेक्टर हैं। मैं उनके साथ हमेशा से ही काम करना चाहता था। मेरी यह इच्छा अब फिल्म 'डंकी' के साथ पूरी हुई। इस फिल्म में मेरे साथ तापसी पन्नू, बोमन ईरानी और विक्की कौशल हैं। इस फिल्म में देश के प्रति प्रेम को दर्शाया गया है। फिल्म की शूटिंग सऊदी अरब के साथ कई और कंट्रीज में हुई है। मुझे पर्सनली इस फिल्म में काम करके बहुत खुशी हुई, क्योंकि इस फिल्म में एक ऐसा संदेश है, जो हम भारतवासियों के हित में है। पूरी फिल्म मनोरंजन से भरपूर है। फिल्म को शुरूआती रेप्सांस बहुत जोरदार मिला है। मुझे यकीन है, फिल्म को बड़ी सफलता मिलेगी।

ईश्वर, कर्म और किस्मत पर भरोसा : मैं मुंबई बहुत बड़े सपने लेकर नहीं आया था। मेरे सपने बहुत छोटे थे। मैंने कभी नहीं सोचा था कि इंडस्ट्री में मुझे इतना सारा प्यार, नाम, शोहरत और पैसा मिलेगा। मेरा मानना है, अगर आपके कर्म अच्छे हैं तो हजारों मुश्किलों के बाद भी ईश्वर आपके लिए रास्ता निकाल देता है। अपनी मेहनत और किस्मत के साथ मुझे ईश्वर पर भरोसा है। मेरा मानना है, अगर हम ईश्वर और अपने आप पर भरोसा करते हैं तो रास्ते अपने आप बनते जाते हैं। हम यह भी जान लें कि ईश्वर का साथ ना हो तो किस्मत साथ नहीं देती है। **मेरी ताकत, मेरा परिवार और मेरे फैस :** एक एक्टर के लिए बहुत जरूरी है कि वह मानसिक रूप से खुश और संतुष्ट रहे।

{ खेल-खिलाड़ी 2023 / साधा }

इस साल खूब चमके

ये भारतीय खिलाड़ी

बीत रहा साल भारतीय खिलाड़ियों के लिए अमृतपूर्व सफलताओं और उपलब्धियों वाला रहा। इस साल कई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने रिकॉर्ड्स बनाए। कुछ प्रमुख खेलों और खिलाड़ियों पर एक नजर।

इस साल आयोजित हुए आईसीसी एकदिवसीय क्रिकेट विश्व कप के फाइनल में भारतीय क्रिकेट टीम के हार जाने से भले एक अरब चालीस करोड़ भारतीयों का सपना टूट गया हो। लेकिन इसके अलावा 2023 ऐसा साल रहा, जब अलग-अलग प्रतियोगिताओं और खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने पूरी दुनिया के खेल मैदानों में अपनी प्रतिभा की चमक बिखेरी।

एशियन-पैरा एशियन गेम्स: एशियाई खेलों के इतिहास में यह पहला साल रहा, जब भारत के खिलाड़ियों ने 100 पदकों के आंकड़े को पार किया। इस बार एशियाई खेलों में हिस्सा लेने जब भारतीय खिलाड़ी जा रहे थे, तो हर तरफ यही लक्ष्य गुंज रहा था, 'अबकी बार 100 के पार'। भारतीय खिलाड़ियों ने ना सिर्फ इस लक्ष्य को



विराट कोहली

पार किया, बल्कि उन्होंने एशियाई खेलों के इतिहास में पहली बार 107 मेडल जीते, जिसमें 28 गोल्ड, 38 सिल्वर और 40 ब्राज मेडल रहे। चीन के होंगझाऊ शहर में भारतीय खिलाड़ियों ने सबका ध्यान अपनी तरफ खींचा। एक तरफ जहां इस साल भारतीय खिलाड़ियों ने एशियाई खेलों में 107 पदक जीतकर ऐतिहासिक रिकॉर्ड कायम किया, वहीं इन्हीं के नक्शे कदम पर चलते हुए भारत के पैरा खिलाड़ियों ने भी पैरा एशियन गेम्स में 111 पदक जीतकर रिकॉर्ड बनाया।

भाला फेंक : जहां तक भाला फेंक खेल की बात है तो इसमें नीरज चोपड़ा ने गोल्डन ब्रॉय के रूप में अपनी पहचान को कायम रखा। इस साल नीरज चोपड़ा ने भाला फेंक प्रतियोगिता में पहली बार भारत को वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल दिलाया। अब से पहले किसी भी भारतीय खिलाड़ी ने यह बड़ी उपलब्धि नहीं हासिल की थी। भाला फेंक प्रतियोगिता में दुनिया के सबसे चमकदार सितारे नीरज चोपड़ा पूरे साल अपनी कामयाबी और प्रतिभा की रोशनी खेल आसमान में भरपूर तरीके से बिखरते रहे।

रिले रेस : वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 4x400 मीटर की रिले रेस में भारतीय टीम पांचवां स्थान ही पा सकी, लेकिन 2 मिनट 59.05 सेकेंड का समय निकालकर भारतीय टीम ने एशियन रिकॉर्ड स्थापित किया।



नीरज चोपड़ा

बैडमिंटन: इसी साल बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन चैंपियनशिप में एच एस प्रनॉय ने ब्राज मेडल हासिल किया, जो कि अब से पहले किसी भी भारतीय खिलाड़ी ने नहीं हासिल किया था। **शतरंज:** हालांकि इस साल 18 साल के आर. प्रज्ञानंद, शतरंज विश्व कप के फाइनल में हार गए, लेकिन जिस धमाकेदार अंदाज में वह फाइनल तक पहुंचे, उससे पार टूर्नामेंट की लाइमलाइट उन्हें मिली। उन्हें दुनिया के सबसे होनहार शतरंज खिलाड़ी के रूप में नई पहचान मिली।

क्रिकेट: इस साल भारत में आयोजित हुए क्रिकेट विश्व कप में विराट ने पहले, एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड की बराबरी की और फिर इसी विश्व कप में उन्होंने सचिन के रिकॉर्ड को पार भी किया। अब एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा 50 शतक विराट कोहली के नाम हैं। इसी साल आईबीएसए विश्व खेल 2023 में भारतीय ब्लाईंड महिला क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया की टीम को फाइनल मुकाबले में 9 विकेट से हराकर स्वर्ण पदक जीता, तो ब्लाईंड पुरुष क्रिकेट टीम ने दूसरा स्थान हासिल किया। इस साल हरमनप्रीत कौर को विजडन क्रिकेटर्स ऑफ द ईयर चुना गया, वह इस अवार्ड को पाने वाली पहली भारतीय महिला हैं। जबकि इसी साल विजडन टी-20 क्रिकेटर्स ऑफ द ईयर सूर्यकुमार यादव को चुना गया, जबकि साल 2022 के लिए इसी साल रेणुका सिंह को आईसीसी इमर्जिंग वुमेन क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया है।

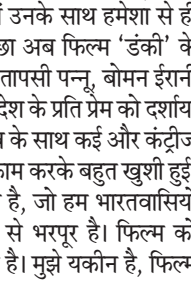


एच एस प्रनॉय

फुटबॉल: इस साल मनीषा कल्याण, एआईएफएफ महिला फुटबॉलर ऑफ द ईयर चुनी गईं।

व्यक्तिगत उपलब्धियां: इस साल बहुत से भारतीय खिलाड़ियों की चमकदार व्यक्तिगत उपलब्धियां हासिल हुईं, जैसे- आईसीसी के हॉल ऑफ फेम में पहली भारतीय महिला क्रिकेटर डायना इडुलजी चुनी गई हैं, तो वर्ष 2023 के लिए पुरुष विश्व एथलीट ऑफ द ईयर के लिए नामांकित होने वाले नीरज चोपड़ा भारत के पहले खिलाड़ी बने हैं। अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम के लिए भारत के मशहूर टेनिस खिलाड़ी लिअंडर पेस नामांकित होने वाले पहले एशियाई खिलाड़ी हैं।

इस तरह देखें तो भारत भले अभी खेल महाशक्ति ना बना हो, लेकिन इतिहास में साल 2023 को उस टर्निंग प्वाइंट वाले साल के रूप में चिन्हित किया जाएगा, जहां से भारत ने खेलों की दुनिया की महाशक्ति बनने का सफर शुरू किया है। *



विराट कोहली

मेरे साथ ऐसा तभी होता है, जब मैं अपने पूरे परिवार को खुश देखाता हूं। अगर मेरे परिवार का कोई भी मेंबर दुखी-परेशान है तो मैं अंदर से टूट जाता हूं, क्योंकि मेरा परिवार ही मेरी ताकत है, मेरी कमजोरी है। अपने परिवार के बिना मैं अधूरा हूं। मेरे प्रशंसक भी मेरी सबसे बड़ी ताकत हैं। आज उनके प्यार और विश्वास की वजह से ही मैं बड़ी सफलताएं पा सका हूं। मैं अपने प्रशंसकों के लिए ही-तोड़ मेहनत करने को तैयार रहता हूं, क्योंकि वे हैं तो ही मैं हूं। उनके प्यार के बिना मेरे कोई वजूद ही नहीं है। अपने मुश्किल वक्त में अपने प्रशंसकों का प्यार ही मुझे जिंदा रख पाया है। आज मैं जो कुछ भी हूं, सिर्फ और सिर्फ अपने फैस की वजह से हूं। **मेरे दिल के करीब है, मेरी बेटी सुहाना :** मेरी बेटी सुहाना मेरे दिल के बहुत करीब है। मैंने जब उसको फिल्म 'द आर्चीज' में एक्टिंग करते देखा तो बहुत खुशी हुई। मैं सिर्फ और सिर्फ उसी को देख रहा था। मुझे वह इतनी प्यारी लग रही थी कि मैं नजर उस पर से हट ही नहीं रहा थी। मुझे लगता है, सुहाना नेचुरल एक्ट्रेस है। वह आगे चल कर और अच्छी एक्टिंग कर सकती है। 'द आर्चीज' फिल्म में सुहाना बहुत ही खूबसूरत लगी है। मेरे छोटे बेटे अबराम में भी हाल ही में अपने स्कूल फंक्शन में भाग लिया था। उसने भी बहुत अच्छा परफॉर्म किया, देखकर मेरी आंखों में आंसू आ गए। **बीता साल और आने वाला नया साल :** 2023 मेरे लिए बहुत खास रहा, क्योंकि इस साल मेरी चार फिल्में 'टाइगर-3', 'पठान' और 'जवान' सिर्फ रिलीज ही नहीं हुईं बल्कि सुपरहिट थीं। साल के आखिर में मेरी एक और फिल्म 'डंकी' भी रिलीज हो गई है। इसे दर्शकों का प्यार मिल रहा है। 2023 मेरे लिए यादगार साल साबित रहा। जहां तक आने वाले नए साल का सवाल है तो 2024 में मैं अपने अंदर से और काम पूरे करूंगा। अपने नए प्रशंसकों को नए साल की ढेर सारी शुभकामनाएं, इस संदेश के साथ देना चाहूंगा कि कभी भी वे जीवन में हार ना मानें, क्योंकि वक्त पलटते समय नहीं लगता, अगर बुरा वक्त आता है तो अच्छा वक्त भी आता है। *